अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 35 | अंक 83 | अलवर, मंगलवार, 18 मार्च 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 | मूल्य : एक रु.

बहरोड़, भिवाड़ी, राजगढ़, तिजारा, कोटकासिम, थानागाजी, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, किशनगढ़बास, कठूमर, खेड़ली, बानसूर, खैरथल, गुरुग्राम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी से प्रसारित

अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

हाईवे पर अनियंत्रित पेड़ से टकराई

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। बहरोड़-अलवर स्टेट हाईवे पर सोमवार सुबह एक एसयूवी कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और पेड़ से टकरा गई।

गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। आसपास के लोगो ने बताया जा रहा है कि कार बहरोड़ से अलवर की तरफ जा रही थी। कारोड़ा गांव के स्टैंड के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और हाइवे से नीचे ढलान में उतर गई। कार एक पेड़ से टकरा गई, जिससे वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार 4 लोग सवार थे, जो शामदा गांव जा रहे थे। चारों सवारों को मामूली चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और राहगीर मौके पर जमा हो गए।

दस माह से फरार दो आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर, 18 मार्च (निसं)। नारायणपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को 10 महीने से फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि नारायणपुर थाने में पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में एक मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसके तहत इन आरोपियों की तलाश जारी थी। गहन प्रयासों के बाद पुलिस ने ग्राम कराणा निवासी श्रवण सक्करवाल के बेटे सज्जन कुमार (26) और दीपक कुमार (27) जाति रैगर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने दोनों आरोपियों न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

शहर में 6 दिन के अंदर तीसरी चोरी

अलवर, 18 मार्च (निसं)। शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र के स्कीम 5 में 6 दिन बाद ही चोरों ने तीसरे मकान का ताला तोड़ घर से पुराने मोबाइल चोरी कर ले गए। नगदी व जेवर हाथ नहीं आए। इसके 5 दिन पहले दो मकानों में चोरी हुई थी।

अरावली विहार थाना अंतर्गत स्कीम नंबर 5 के मकान नम्बर 82 के निवासी ने बताया कि वे सब होली पर बेटे के पास नोएडा चले गए थे। पीछे से उनके मकान का ताला तोड़ लिया गया।

घर के अंदर पूरा सामान बिखरा मिला लेकिन घर में नगदी व जेवर नहीं थे। केवल पुराने मोबाइल चोरी कर ले गए। करीब 4 से 5 दिन पहले भी हमारे बगल के एक दो मकान में चोरी की वारदात हुई थी। यहां रोडलाइट खराब हैं। चोर अंधेरे का फायदा उठाते हुए वारदात को अंजाम देते हैं।

भगवत-चिंतन

बुराई से दूर रहे

जो हम प्रतिदिन सुनते हैं, देखते हैं, वही हम होने भी लग जाते हैं। बुरा करना तो गलत है ही पर किसी की बुराई सुनना भी गलत ही है। जो लोग आपके सामने दूसरों की बुराई करते हैं, सच समझना निश्चित ही वो लोग दूसरों से आपकी बुराई भी करते होंगे। बुरा करना घातक है और बुरा सुनना पातक है इसलिए सदैव दोनों से बचने का प्रयास करना चाहिए।

किसी की बुराई सुनने से हमारे स्वयं के विचार भी दूषित हो जाते हैं। विचारों का प्रदूषण फैलने का प्रमुख कारण हमारी वो आदतें हैं जिन्हें किसी की बुराई सुनने में रस आने लगता है। बुराई को सुनना, बुराई को चुनना जैसा ही है क्योंकि जब हम बुराई सुनना पसंद करते हैं तो बुराई का प्रवेश हमारे जीवन में स्वत: होने लगता है। दूसरों की बुराई सुनने की अपेक्षा स्वयं के जीवन से बुराई मिटाने के लिए सदैव प्रयासरत रहें।

-महंत सुमेर गिरी महाराज

चैत्र नवरात्रे की तैयारियां शुरू

देश-प्रदेश में चैत्र नवरात्रे की तैयारियां शुरू हो गई है। देश में जहां दुर्गा मां के नौ दिवसीय नवरात्रे किए जाते हैं। वहीं अलवर में करणी माता मेला एक अमिट पहचान बना चुका है। अरावली की पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में बसी मां करणी की पूजा और मेले की तैयारियों को परवान चढ़ाने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट बीना महावर के निर्देशन में 18 मार्च को दोपहर एक बजे कलक्ट्रेट सभागार में करणी माता मेला व्यवस्था समिति की बैठक में तैयारियों पर पारस्परिक विचार-विमर्श किया जा रहा है।

इंक फैक्ट्री में बॉयलर फटा, एक की मौत

भिवाड़ी, 18 मार्च (निसं)। भिवाड़ी में अलवर-भिवाड़ी मेगा हाईवे-48 पर इंक बनाने की फैक्ट्री में बॉयलर फट गया। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। धमाके से एक मकान की दीवार ढह गई। वहीं 10-12 घरों के शीशे टूट गए और कई मकानों में दरारें आ गई। विस्फोट इतना तेज था कि बॉयलर के टुकड़े 500 मीटर तक जा गिरे। घटना सोमवार दोपहर 3:30 बजे सिजवर्क कंपनी में हुई।

हादसे के बाद कंपनी प्रबंधन ने फैक्ट्री के दोनों गेट बंद कर दिए। घटना की जानकारी न तो प्रशासन को दी और न ही पुलिस को। सूचना मिलने पर एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने खुशखेड़ा थानाधिकारी हनुमान प्रसाद यादव को मौके पर भेजा। बॉयलर फटने से झारखंड के पथरिया गांव निवासी मजदूर शेख जमशेद की मौत हो गई।

ग्रामीण अकबर खान ने बताया कि धमाके की वजह से गांव में नुकसान हुआ है। वहीं अब्बास खान ने बताया कि बच्चे बाहर खेल रहे थे। धमाके से लोहे के कुछ टुकड़े आकर गिरे। इस दौरान बच्चे बाल-बाल बच गए।

असर खान ने बताया कि कंपनी गांव वालों के लिए खतरा बन चुकी है। अप्रैल 2024 में भी कंपनी में भीषण आग लगी थी। पुलिस और प्रशासन ने आधा किलोमीटर का एरिया खाली कराकर अपने कब्जे में ले लिया था। आग से फैक्ट्री दो दिन तक धधकती रही और केमिकल के ड्रम लगाकर फटते रहे थे।आगजनी के समय फैक्ट्री के अंदर करीब 310 कर्मचारी थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया था। आसपास के घरों को काफी नुकसान पहुंचा था। उसके बाद भी कंपनी में सुरक्षा के लिए इंतजाम नहीं किए गए। ग्रामीणों ने कंपनी को यहां से हटाने की भी मांग की है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। विस्तृत रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

जानकारी के अनुसार साल 1991 में जमीन खरीदी गई थी। साल 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने कंपनी का उद्घाटन किया था। उस समय कंपनी के मालिक स्विट्जरलैंड के विमल जालान थे। उस समय कंपनी का नाम सिक्पा था, लेकिन उसके दस साल बाद इसका नाम बदलकर पीबू इंक कर दिया गया था। यह नाम 2 साल तक चला था। इसके बाद फिर कंपनी का नाम बदलकर सिजवर्क कर दिया गया, जापानी फर्म कंपनी को चला रही है। अभी कंपनी के मालिक मिस्टर केलर है।

कंपनी के पास बणवीरपुर और बीबीपुर दो गांव हैं। बीबीपुर गांव और कंपनी के बीच में मात्र एक सड़क ही है। इसी तरह कंपनी से बणवीरपुर गांव की दूरी 500 मीटर है। बीबीपुर गांव में करीब 2 हजार और बणवीरपुर में एक हजार लोगों की आबादी है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर एएसआई और पत्नी की सड़क हादसे में मौत

राजगढ़, 18 मार्च (निसं)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए एक हादसे में दिल्ली पुलिस के एएसआई कालूराम मीणा (55) और उनकी पत्नी धापू देवी (50) की मौत हो गई।

एक्सप्रेस-वे पर उनकी स्कोर्पियो पंक्चर हो गई थी। जिसका टायर बदल रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। हादसा सोमवार सुबह 7 बजे अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र के चैनल नंबर 135 पर हुआ।

रैणी थाने के एएसआई मनोज कुमार ने बताया कि रामनगर, कोटखावदा (जयपुर) निवासी कालूराम मीणा और उनकी पत्नी धापू देवी के साथ जयपुर से दिल्ली जा रहे थे। रास्ते में अलवर के पास रैणी थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर उनकी स्कॉर्पियो का टायर पंक्चर हो गया था।

इस पर एएसआई ने गाड़ी को हाईवे के किनारे खड़ा कर टायर बदलना शुरू किया, जबकि उनकी पत्नी कार के अंदर ही बैठी थी।

इसी दौरान तेज रफ्तार में आई एक टाटा हैरियर कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एएसआई कालूराम मीणा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

जिले में आवारा गायों, कुत्तों और बंदरों का भारी आतंक, आमजन हाल-बेहाल

अलवर, 18 मार्च (नसं)। शहर सहित जिले में आवारा गौवंश, कुत्ते व बंदरों ने आतंक मचा रखा है। हालात यह है कि गली, मौहल्लै व सड़कों पर बच्चों को अकेला नहीं भेज सकते, पता नहीं कब कौनसा जानवर हमला कर दे।

पिछले एक माह से लोग कुत्तों से तो भारी परेशान हो रहे हैं। लेकिन गौवंश व बंदरों का खतरा भी कम नहीं है। गली, मौहल्लै व सड़कों पर गौवंश के झुंड हर समय खड़े रहते हैं। जिनसे बचना मुश्किल रहता है।ऐसे में सभी को सावधानी पूर्वक घरों से निकलना होगा। बंदरों का आतंक भी कम नहीं है इन्होंने भी लोगों को परेशान करके रखा है।

शहर में 85 साल के बुजुर्ग पर हमला कर दिया। बुजुर्ग की पसली टूट गई। बुजुर्ग जिला हॉस्पिटल में भर्ती है। 15 दिन पहले भी बुजुर्ग को लावारिश पशु ने घायल कर दिया था। करौली कुंड में यह घटना सोमवार दोपहर की है।

बुजुर्ग भगवानदास टॉयलेट करने

के लिए घर से थोड़ी बाहर आए थे। तभी अचानक लावारिस पशु ने हमला कर जमीन पर पटक दिया, जिससे बुजुर्ग की पसली टूट गई। घायल का जिला हॉस्पिटल में इलाज जारी है।

ठाकुरदास सैनी ने बताया कि 15 दिन पहले भी उनके पिता पर लावारिस पशु ने अटैक कर दिया था। कई अन्य लोग भी पहले घायल हो चुके हैं। नगर निगम को शिकायत करने के बावजूद कोई समाधान नहीं होता है।

रामगढ़ में बंदरों कस आंगन में सो रहे युवक की गर्दन पर हमला : रामगढ़ कस्बे में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। ताजा मामले में होली मोहल्ले में एक युवक को बंदरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। लोकेश सैनी नाम का युवक अपने घर के आंगन में चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान बंदरों के एक समूह ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने युवक की गर्दन पर हमला किया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।

परिवार के लोगों ने युवक की चीखें सुनकर लाठी-डंडों से बंदरों को भगाया। घायल लोकेश को तुरंत रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी गर्दन पर कई टांके लगाए। लोकेश बस स्टैंड पर खोमचे की दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है।

दो दिन पहले भी बंदरों का एक समूह लोकेश के घर में घुस गया था। उन्होंने फ्रिज समेत कई घरेलू सामान तोड़ दिया था। स्थानीय लोगों के अनुसार, कस्बे में अब तक 50 से अधिक लोग बंदरों के हमले का शिकार हो चुके हैं। हजारों की संख्या में बंदर छतों पर टोलियां बनाकर बैठे रहते हैं। वे कपड़े सुखाने आई महिलाओं पर भी हमला करते हैं।

ग्राम विकास अधिकारियों ने किया विरोध-प्रदर्शन

गोविंदगढ़, 18 मार्च (निसं)। जिले के गोविंदगढ़ में ग्राम विकास अधिकारी संघ ने पदोन्नति में देरी के विरोध में आवाज उठाई है।

संघ ने मंत्री पंचायतीराज, शासन सचिव और आयुक्त पंचायत राज के नाम विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्राम विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष गिर्राज शर्मा ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से संवर्ग की पदोन्नतियां लंबित हैं। करीब 500 ग्राम विकास अधिकारियों के बंद लिफाफा और डेफर प्रकरण भी अटके हुए हैं। कुछ मामले तो 2003 से लंबित चल रहे हैं।

कार्मिक विभाग के निर्देशों के अनुसार, तीन संतान वाले कार्मिकों को भी पदोन्नति में शिथिलता दी जानी है। इसके लिए रिव्यू डीपीसी की जानी है। लेकिन पंचायती राज विभाग इन पदोन्नतियों को लागू नहीं कर रहा है। विरोध स्वरूप संघ ने 'पदोन्नति नहीं तो, काम नहीं' का नारा दिया है।

घर से लापता युवक का शव तालाब में मिलने से सनसनी

कोटकासिम, 18 मार्च (निसं)। क्षेत्र के गांव पहाडावास सारणवास के तालाब में एक युवक का शव मिलने से कस्बे सहित क्षेत्रभर में सनसनी फैल गई है।

युवक धुलंडी वाले दिन से घर से लापता था। जिसका शव सोमवार को पहाडावास सारणवास गांव के तालाब में मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणो द्वारा कोटकासिम थाना पुलिस को दी गई।

पुलिय ने मौके पर पहुंचकर शव को तालाब से बाहर निकलवाया तथा कोटकासिम के राजकीय अस्पताल में लाया गया। जहां पर मेडिकल बोर्ड द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौप दिया।

जानकारी के अनुसार जगत पुत्र रोहिताश गुर्जर उम्र 33 वर्ष निवासी पालपुर बीबीरानी धुलंडी वाले दिन से घर से गायब था। जिसका शव आज सारणवास पहाडावास गांव के

तालाब में मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणो द्वारा कोटकासिम थाना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को तालाब से बाहर निकलवाया तथा पोस्टमार्टम के लिए कोटकासिम राजकीय अस्पताल की मोर्छरी में रखवा दिया। जहां पर मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौप दिया। पुलिस घटना के बारे में जांच कर रही है। वहीं समाचार लिखे जाने तक पीड़ित पक्ष की और से कोई भी मामला पुलिस थाने में दर्ज नही कराया गया था।

महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय कार्यक्रम 9 से, तैयारियां शुरू

अलवर, 18 मार्च (नसं)। राष्ट्रीय सैनी सभा (रजि.) एवं सैनी समाज की विभिन्न संस्थाओं की बैठक सैनी स्कूल प्रांगण, मनुमार्ग अलवर में सोमवार शाम आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अलवर जिला सैनी महासभा संस्थान अध्यक्ष अनिल सैनी (गब्बर भाई) ने की।

राष्ट्रीय सैनी सभा (रजि.) के जिला महामंत्री विकास बबेरवाल ने बताया कि बैठक में आगामी 11 अप्रेल 2025 शुक्रवार को गरीबों के मसीहा, महिला शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के उपलक्ष्य में 5 दिवसीय कार्यक्रम 9 अप्रेल 2025 से 13 अप्रेल 2025 तक धूमधाम से आयोजित करने की तैयारियों पर चर्चा कर जिम्मेदारियां सौपी।

बैठक में अलवर जिला सैनी महासभा संस्थान के अध्यक्ष अनिल सैनी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान समारोह होना चाहिये और जो महिलाए प्राईवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्य कर रही उनका भी सम्मान किया जाना चाहिये। महात्मा मोहनदास सेवा समिति अध्यक्ष भौरेलाल सैनी ने कहा कि झाकी के दौरान सिर्फ महात्मा ज्योतिबा फूले एवं माता सावित्री बाई फूले के जीवन पर आधारित झांकिया ही निकाली जाये। महात्मा ज्योतिबा फूले विद्या दर्शन के अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता पैदा करने के लिये अभियान चलाना चाहिये। सामुहिक विवाह समिति के अध्यक्ष प्रताप सैनी (धारा भाई) ने कहा कि कार्यक्रम में कोई भी व्यर्थ पैसा खर्च ना हो इस बात का विशेष ध्यान

रखा जाये। सैनी युवा महासभा के अध्यक्ष डॉ. संदीप सैनी ने कहां कि फूले जी के जीवन पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की जानी चाहिये। इनके अलावा बैठक में पूर्व सभापति मीना सैनी, रामप्रसाद सैनी, बाबूलाल झारिया, कमल सैनी ने भी अपने विचार प्रकट किये।

बैठक में आनन्द सैनी, राजू बीपीएल, एमपीएस रघुवीर सैनी, महेश सैनी, राजेन्द्र सैनी, मास्टर तुलाराम सैनी, झम्मनलाल सैनी, एडवाकेट नरेश सैनी, एडवोकेट मोहन सैनी, एडवोकेट टेकचन्द सैनी, फूलचन्द सैनी, महेन्द्र सैनी, कैलाश सैनी, पवन सैनी, जुगल सैनी, अनिल सैनी, जुगल किशोर सैनी, मनीश सैनी, कन्हैया सैनी, देवेन्द्र सैनी, दिलीप सैनी, लवनीश सैनी, पवन सैनी, केदार सैनी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

अंसल टाउन में सीवरेज और रोड खराब

अलवर, 18 मार्च (नसं)। शहर के अंसल टाउन में सीवरेज लाइन व रोड खराब होने पर सोमवार को विरोध पर लोग उतारू हो गए। टाउनशिप के मालिक के बर्ताव पर रोष जाहिर किया। वहीं नई सोसाइटी बनाने पर जोर दिया।

यहां के निवासी रवि ने बताया कि अंसल टाउनशिप में रहने लगे तब अच्छी व्यवस्था थी। सीवरेज व रोड अच्छे थे। लेकिन अब कुछ ही सालों में हालत खराब हो गए हैं। न रोड बना रहे न सीवरेज दुरुस्त करा रहे। हालत ये हैं कि टाउनशिप में हर ब्लॉक में सीवरेज खराब है। जगह-जगह से चॉक होने के कारण बदबू है। कोई सुध नहीं ले रहा है।

विनय कुमार का कहना है कि रोड उधड़ी पड़ी है। चलते वाहनों से रोड़ियां दूर तक जाती हैं। जिससे किसी के चोटिल होने का डर है। सोसाइटी के मालिक को खूब शिकायत कर दी। यहां काम करने वाले मैनेजर को सब पता है। इसके बावजूद सुध नहीं लेने पर यहां के निवासी विरोध पर आए हैं।

राज्य सरकार का विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए नैतिक शिक्षा पर भारी जोर

अलवर, 18 मार्च (नसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने जिले के दौरे पर रहकर शिक्षा व पंचायती राज के अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिये।

मंत्री मदन दिलावर ने जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिये कि जिले की ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से करावे तथा कचरे का उठाव व उसका निस्तारण भी सुनिश्चित करावे। उन्होंने कहा कि आमजन से समन्वय कर गांवों में बर्तन भंडार बनवाए, ताकि गांव प्लास्टिक कचरे से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ सके। उन्होंने ग्राम वासियों की समस्याओं के स्थानीय

स्तर पर ही समाधान के लिए माह के प्रथम गुरुवार को आयोजित होने वाली ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई को प्रभावी रूप से संपन्न करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले के विद्यालयों को प्लास्टिक मुक्त करने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली, अपने परिवेश को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव आदि के बारे में बताने के साथ नैतिक शिक्षा पर भी बल दिया जावे।

उन्होंने जिले में बोर्ड परीक्षाओं के संचालन की जानकारी लेकर सुचारू रूप से बोर्ड परीक्षाएं संपन्न करवाने के निर्देश दिए।

जिला परिषद के सीईओ रवीन्द्र गौरव सालुखे, सीडीईओ महेश गुप्ता, डीईओ मनोज शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा के युवा नेता जितेंद्र गोयल, डा. कुश शर्मा भी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय चेटीचंड महोत्सव हर्षोल्लास से मनाने की तैयारी

खैरथल, 18 मार्च (निसं)। 30 मार्च को आयोजित चेटीचंड महोत्सव की तैयारियों को लेकर आनन्द नगर कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में झूलेलाल मंदिर के बाबा शीतलदास लालवानी के सानिध्य में एवं पूज्य सिंधी पंचायत खैरथल अध्यक्ष मुखी मनोहरलाल रोघा की अध्यक्षता में सोमवार देर शाम को बैठक आयोजित कर विभिन्न निर्णय लिए गए।

झूलेलाल मंदिर व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी एवं महेश आडतानी ने बताया कि सिंधी समाज के ईष्टदेव भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर्व चेटीचंद महोत्सव की तैयारियों को लेकर मंचासिन समाजसेवी लालचंद रोघा,मुखी मनोहरलाल रोघा,पूज्य सिंधी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, मुखी अशोक महलवानी, मुखी वासदेव दासवानी, मुखी टीकमदास मुरजानी, बाबा दयालदास प्रदनानी,व्यवस्थापक अर्जुनदास बाबानी,महेश आडतानी ने बैठक में मौजूद सिंधी समाज के सदस्यों से विचार विमर्श कर

चेटीचंड महोत्सव 28,29 एवं 30 मार्च को तीन दिवसीय मनाने का निर्णय लेकर समारोह की तैयारी पर विशेष चर्चा कर व्यवस्थाओं की जिम्मेदारिया सौंपी गई।

पूज्य सिंधी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा ने बताया कि 28 मार्च को साय 4 बजे मातृशक्ति बाईक रैली, साय 7 बजे झूलेलाल भगवान की अखंड ज्योत नगर भ्रमण, 29 मार्च दोपहर को सिंधी व्यंजन प्रतियोगिता, सायं 6 बजे महाआरती,रात्रि 8 बजे सिंधी प्रतिभा सम्मान समारोह, 30 मार्च को सुबह 10:15 बजे झंडारोहण,11 बजे कन्या भोज, दोपहर 12 बजे विशाल आम भंडारा, साय 4 बजे शोभायात्रा आयोजित की जाएगी तथा 31 मार्च को प्रात: 7 बजे झूलेलाल भगवान की आरती के पश्चात पल्लव पाकर चेटीचंड महोत्सव का समापन किया जाएगा। इस दौरान मुख्य रूप से झूलेलाल मंदिर सहित खैरथल के मुख्य मार्गो, विभिन्न चौराहो पर सजावट एवं लाइटिंग की जाएगी। मंच संचालन महेश आडतानी ने किया।

इस दौरान प्रदेश मंत्री गिरधारीलाल ज्ञानानी, सेवक लालवानी,नत्थूमल रामलानी, तुलसीदास भूरानी, प्रताप कटहरा, विजय बच्चानी, गोपालदास पेशवानी, राजकुमार दादवानी, अर्जुनदास असरानी, दिनेश माखीजा, प्रमोद केवलानी,प्रहलाद मंगलानी, हीरालाल भूरानी, मन्नू मंघवानी, लीलाराम भगतानी, तीर्थदास रोचवानी, हरीश जयवानी, प्रेम प्रदनानी, आकाश चेतवानी, मोहनसिंह खजनानी, श्याम लाल चंगानी, राजकुमार लालवानी, टीकम चंदनानी, सेवाराम बच्चानी, बाबूलाल गोरवानी, किशनचंद भारती, लालचंद चंगानी, राजा मंगलानी, सोनू सजवानी,मंगलानी,नारायण निहलानी, राहुल केवलानी, बूलचंद मनवानी, विक्की कटारिया, लालचंद माखीजा,भगवानदास मयूर, नामदेव रामानी, चतर ज्ञानवानी, हुकूमतराय किशनानी, नानकचंद मंघवानी, वासदेव दरियानी विष्णुमल गंनवानी मौजूद रहे।

मजदूरी कर लौट रही महिला की ट्रैक्टर से गिरकर मौत

मंडावर, 18 मार्च (निसं)। थाना इलाके क्षेत्र की ग्राम पंचायत बनावड़ के गांव हाड़ौली में सोमवार को ट्रैक्टर से गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

जानकारी अनुसार इन दिनों चल रही सरसों गेहूं चने की कटाई को लेकर मजदूरी के लिए मंडावर से महिला ट्रैक्टर में हर रोज की तरह मजदूरी करने हाड़ौली गई।

वहीं मजदूरी से लौटते समय महिला कुसुमलता पत्नी इंदर सैनी उम्र 32 वर्ष जिसकी ट्रैक्टर से गिरने से मौत हो गई। जिसकी जानकारी ग्रामीणों ने मंडावर पुलिस को दी।

सूचना पाकर पुलिस एंबुलेंस लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। जहां घायल महिला को उठाकर एंबुलेंस में लेकर पास के अस्पताल मंडावर में भर्ती करवाया।

जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। तत्पश्चात मृतक के परिजन चालक की गिरफ्तारी, टैक्टर को जप्त करने को लेकर पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठ गए।

थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने इस पर परिजनों और ग्रामीणों को समझाइश कर पोस्टमार्टम कराने को राजी किया। थाना प्रभारी ने ट्रैक्टर को जप्त कर लिया।

खाटू में श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बाबा श्याम के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

खाटूश्यामजी। कस्बे में बाबा श्याम के दर्शन के लिए खाटू धाम में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। वार्षिक लक्खी मेले के बाद यह पहला रविवार होने के कारण सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज से आए श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन कर रहे हैं। बाबा श्याम का सतरंगी फूलों से भव्य रूप से सजाया गया जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। भक्त बाबा श्याम के जयकारों के साथ दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी की ओर से विशेष सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था की गई है। कमेटी के सुरक्षा गार्ड्स दर्शन व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं ताकि भक्तों को सुगम दर्शन का लाभ मिल सके। खाटूश्यामजी में हर रविवार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है लेकिन लक्खी मेले के बाद यह पहला रविवार होने से इस बार विशेष रूप से अधिक भक्त बाबा के दरबार में पहुंचे।

विकसित राजस्थान के लिए सरकार प्रतिबद्धता से कर रही कार्यः मुख्यमंत्री

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशभर के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की एवं होली पर्व की रामा-श्यामा की। मुख्यमंत्री ने आवास पर फागोत्सव कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए जनप्रतिनिधियों एवं आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि होली रंगों का त्यौहार है। यह हमारे जीवन में भी अनेक खुशियों के रंग भरता है। यह पर्व हमारे आपसी सौहार्द और प्रेम को बढ़ाता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार युवा, महिला, मजदूर और किसान की खुशहाली के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और नेतृत्व में विकसित भारत बन रहा है। साथ ही, विकसित राजस्थान के लिए भी हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने धरती धोरां री.....मेरे देश की धरती....सहित होली पर्व के स्थानीय गीतों

की भी सुंदर प्रस्तुतियां दी। मुख्यमंत्री ने सभी आगंतुकों के चंदन का टीका लगाया और आत्मीयता से मिलते हुए सभी का अभिवादन स्वीकार किया। साथ ही, होली त्यौहार की रामा-श्यामा भी की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राजेन्द्र गहलोत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सतीश पूनिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी, अजीत मांडण, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज सहित विभिन्न सांसद, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिनभर चला शुभकामनाओं का दौर : प्रदेशभर के दूर-दराज क्षेत्रों जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद, भरतपुर, कोटा, बारां आदि जिलों से भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारीगण, मण्डल अध्यक्ष स्तर के कार्यकर्ता होली की रामा-श्यामा करने मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। मंच के ठीक सामने ढप एवं चंग के साथ शेखावाटी के कलाकारों की मंडली ने अपनी प्रस्तुती से माहौल को खुशनुमा बना दिया। वहीं दूसरी ओर राजस्थान के प्रसिद्ध गायक प्रकाश माली ने भी अपनी प्रस्तुती से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बजट घोषणाएं समयबद्धता से पूर्ण होकर धरातल पर आएं- ऊर्जा मंत्री

कोटा। ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने कहा कि बजट घोषणाएं समयबद्ध रूप से पूरी हों ताकि तय समय पर सभी घोषणाओं को धरातल पर उतारा जाए और जनता को इनका पूरा लाभ मिल सके।

सोमवार को ऊर्जा मंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में सांगोद विधानसभा क्षेत्र के लिए की गई नवीन बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की तैयारी एवं गत वित्तीय वर्ष की बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। श्री नागर ने कहा कि हर खेत तक रास्ता पहुंचाना हमारा संकल्प है, इस संकल्प की सिद्धि में

अधिकारी भी सहयोगी बनें, अधिकारी पंचायतों में जाएं खेतों के लिए रास्ते सुनिश्चित कराएं। प्रचलित रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए ताकि नरेगा अन्तर्गत कार्य कराए जा सकें।

ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को पीएम किसान सम्मान निधि की पेंडेंसी जीरो करने के भी निर्देश दिए। कहा, किसानों की केवाईसी करने के लिए संवेदनशील कर्मचारियों की नियुक्ति हो और कैंप लगाकर कमियों को दूर किया जाए, किसान को भटकना न पड़े और कोई पात्र किसान वंचित न रहें।

गर्मी में बिजली-पानी के समुचित प्रबंध हों

गर्मी के दिनों में पानी बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा, डिस्ट्रीब्यूशन बढ़ाते हैं तो प्रेशर और पाइप भी बढ़ना चाहिए। जहां टैंकर, हेडपंप की आवश्यकता है, वहां उपलब्ध कराया जाए। जल संसाधन विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं में सीमल्या में फ्लड डायवर्जन, विनोद खुर्द में जल भराव एवं बाढ बचाव कार्यों, सावनभादौ बांध में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी के प्रबंधन सहित अन्य योजनाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने सीएडी के अन्तर्गत संचालित और प्रस्तावित नहर सुदृढ़ीकरण कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मेन कैनाल पर जर्जर पुलियाओं को सुधारा जाए।

विकसित राजस्थान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा. धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। वे जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार भी वंदनीय और गौरवशाली सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए प्रयासरत है।

आधी आबादी की उन्नति और प्रगति की सोच

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य और भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश के आस्था स्थलों का पुनरूद्धार कार्य करवा रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के लिए तेजी से काम कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हम राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देकर उनको स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

सैनी समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन रामनवमी पर हुई विस्तृत चर्चा

चाकसू। श्रेत्र के रामपुरा गांव मे स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले सैनी छात्रावास परिसर मे माली समाज की महासभा की बैठक राकेश पारोत्या की अध्यक्षता में आयोजित की गई, महासभा चौरासी की बैठक में सामुहिक विवाह सम्मेलन को लेकर समाज के भामाशाहो ने बढ चढकर भाग लिया समाज के वरिष्ठ लोगों की सहमति से अगली महासभा चौरासी का आयोजन (अमावस्या) को रखी गई है। मीटिंग में सांगानेर, चाकसू, शिवदासपुरा, रूपाहेडी, चंदलाई, सवाईमोधोसिंहपुरा, छांदेल, कोटखावदा, बडोदिया, केशवपुरा, माधोराजपुरा, झामदा, चांदमा, बीची, राहोली, कनेसर गुन्सी, निवाई, टोक, बोंली, सवाईमाधोपुर, दौसा, लालसोट, चारणवास समेत अनेक स्थानों से आए हुए समाज बंधु मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मंगलवार, 18 मार्च, 2025

- **मेष :** किसी खास कार्य को लेकर किए गए प्रयासों में बेहतरीन सफलता मिलने वाली है। सिर्फ कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित विचार-विमर्श अवश्य कर लें। कहीं फंसा हुआ पैसा मिल जाने से घर की देखरेख संबंधी गतिविधियां शुरू होंगी।
- **वृष :** ग्रह स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ समय से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का अनुकूल समय आ गया है। आप थकान और तनाव से राहत पाने के लिए आराम और मनोरंजन के मूड में रहेंगे।
- **मिथुन :** अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें तथा आगे बढ़े। आपको कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहजता महसूस होगी। पिछले कुछ समय से चल रहे कार्य संपन्न होंगे और अपना समय आराम और कलात्मक संबंधी कार्यों में व्यतीत करेंगे।
- **कर्क :** दिनचर्या में नयापन लाने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों पर भी समय व्यतीत करें। इससे मन प्रफुल्लित रहेगा। नए नए संपर्क बनेंगे और इनके मार्गदर्शन से आर्थिक समस्या भी दूर होगी। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती हैं।
- **सिंह :** अपने कार्यों को नियत समय पर करने का लिया गया संकल्प पूरा करने में सक्षम होंगे। किसी संबंधी अथवा मित्र के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी तथा संबंध पुनः मधुर हो जाएंगे।
- **कन्या :** आज कोई रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इसलिए प्रयासरत रहें। किसी पारिवारिक समस्या को दूर करने के लिए किया गया आपका प्रयास कामयाब रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सलाह पर अमल करना फायदेमंद रहेगा।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** किसी संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे आप सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित किसी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **कुंभ :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं।
- **मीन:** आर्थिक गतिविधियां सुधरेंगी। आपके सभी काम सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। किसी राजनीतिक व्यक्ति की भी सहायता मिलेगी।

रेलवे की अभूतपूर्व प्रगति : वैश्विक निर्यात और रोजगार के नए आयाम

अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री

कोटा, 18 मार्च। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अपने हालिया संबोधन में भारतीय रेलवे की उल्लेखनीय प्रगति और भविष्य की योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। रेलवे के विकास एवं निर्यात के क्षेत्र में हाल के वर्षों में कई उपलब्धियां दर्ज की गई हैं।

प्रमुख उपलब्धियां एवं जानकारियां–

1. वैश्विक निर्यात में रेलवे की बड़ी भूमिका: भारतीय रेलवे अब विभिन्न देशों को आधुनिक रेल उपकरणों का निर्यात कर रहा है। प्रमुख निर्यात निम्नानुसार हैं–

मेट्रो कोच: ऑस्ट्रेलिया **बोगियां:** यूके, सऊदी अरब, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया

प्रोपल्शन सिस्टम: फ्रांस, मैक्सिको, रोमानिया, स्पेन, जर्मनी, इटलीयात्री **कोच:** मोज़ाम्बिक, बांग्लादेश, श्रीलंका

इंजन (लोकोमोटिव): मोज़ाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश

2. भविष्य की योजनाएं: बिहार के सारण जिले के मारहोड़ा में बने लोकोमोटिव (इंजन) का निर्यात जल्द ही शुरू होगा। आगामी दिनों में 100 से अधिक लोकोमोटिव का निर्यात किया जाएगा, जिससे 'मेड इन बिहार' लोकोमोटिव पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाएंगे। तमिलनाडु में निर्मित पहिए (Forged Wheel) का भी जल्द ही वैश्विक निर्यात शुरू होगा।

3. तकनीकी उपलब्धि: चिनाब ब्रिज में इस्तेमाल किए गए 30,000 टन स्टील का वजन 4 एफिल टावर के बराबर है, जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमताओं का उत्कृष्ट उदाहरण है।

4. रोजगार में वृद्धि: पिछले 10 वर्षों में रेलवे ने 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है, जो कि पहले की तुलना में काफी अधिक है।पिछली सरकार के समय यह आंकड़ा 4 लाख था, जबकि वर्तमान में 1 लाख लोगों की भर्ती प्रक्रिया जारी है, जिसमें लोको पायलट की भर्ती भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन उपलब्धियों को भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता और आधुनिकरण का परिणाम बताया। रेलवे का निरंतर विकास देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना रहा है।

अब यूडीए में भी हर माह के तीसरे बुधवार को होगी जनसुनवाई

आमजन की परिवेदनाओं का होगा त्वरित निस्तारण

उदयपुर, 18 मार्च। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय जनसुनवाई की तर्ज पर अब उदयपुर विकास प्राधिकरण भी जनसुनवाई करेगा। यूडीए सचिव हेमेन्द्र नागर ने बताया कि अब प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक प्राधिकरण स्तर पर विशेष जनसुनवाई होगी। इसमें संभागीय आयुक्त एवं यूडीए अध्यक्ष सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी की अध्यक्षता में जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। विशेष जनसुनवाई व्यवस्था से प्राधिकरण क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उनकी बिजली-पानी, सफाई व्यवस्था सहित अन्य सभी तरह की समस्याओं को त्वरित एवं पारदर्षितापूर्ण निस्तारण किया जा सकेगा।

उपभोक्ताओं को बताए साइबर ठगी से बचने के उपाय

उदयपुर, 18 मार्च। पंजाब नैशनल बैंक की ओर से 10 से 16 मार्च तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की प्रत्येक शाखा में विद्यार्थियों/आम जनता को डिजिटल भुगतान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। डिजिटल भुगतान से संबंधित साइबर धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। उपभोक्ताओं को करने योग्य तथा न करने योग्य बातें बताई गई। इससे पूर्व बैंक द्वारा एसएमएस के माध्यम से अपने ग्राहकों को पीएनबी वन ऐप पर रजिस्टर करने, साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने और किसी भी प्रकार के संदिग्ध एसएमएस या कॉल का जवाब न देने के लिए आगाह किया। साइबर धोखाधड़ी/घटनाओं की रिपोर्ट बैंक में करने की सलाह दी गई। जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की सभी शाखाओं एवं बीसी लोकेशन पर भी ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के प्रति जागरूक किया गया।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स को प्रत्यक्ष मिलेंगे, रीको औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंड

उदयपुर, 18 मार्च। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024'' के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादन करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो तथा ऑनलाईन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेष पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना लंबित हैं, वे इस योजना में आवेदन कर सकते है।

उदयपुर के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध– राज्य के 98 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं इकाई प्रभारी रीको अजय पण्ड्या ने बताया कि इस योजना के तहत उदयपुर जिले के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। इसमें गिर्वा तहसील के कलड़वास विस्तार में 12, मावली के आमली में 68 और वल्लभनगर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र माल की टूस में 52 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं।

आवेदक 28 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन– राइजिंग राजस्थान के तहत एमओयू करने वाले निवेशकों को भूखण्ड आवंटन के लिए आवेदन की प्रक्रिया 17 मार्च से प्रारंभ हो गई हैं, जिसके लिये आवेदक को मय प्रोजेक्ट रिपोर्ट दिनांक 28 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योग्य आवेदक रीको की वेबसाइट www.riico.co.in, www.riico.rajasthan.gov.in या एसएसओ राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन या riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से रीको के बैंक खाते में जमा करानी होगी। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त होगे उनके लिये ई-लॉटरी 3 अप्रैल को प्रस्तावित हैं।

भूखण्ड आवंटन के लिए निर्धारित शर्तें– पण्ड्या ने बताया कि भूखण्ड आवंटन के लिए निर्धारित शर्तों के अनुसार ऐसे प्रोजेक्ट जिनको स्थापित करने के लिए पर्यावरण स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उन आवंटियों को आवंटित भूखण्ड का कब्जा देने की तिथि अथवा डीम्ड कब्जा से 2 वर्ष में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारम्भ करना होगा तथा ऐसे प्रोजेक्ट जिनको पर्यावरण स्वीकृति आवश्यक है, उनके लिए यह अवधि 3 वर्ष होगी। वहीं आवंटी को आवंटित भूखण्ड पर उत्पादन शुरू करने से पहले मध्यवर्ती अनुक्रमों का पालन करना आवश्यक होगा। इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में माने जाने के लिए भूखण्ड के क्षेत्रफल का न्यूनतम 30 प्रतिशत अथवा अनुज्ञेय बिल्ड अप एरिया रेशियो का न्यूनतम 30 प्रतिशत के समतुल्य निर्मित होना एवं भूखण्ड आवंटन के आवेदन के समय प्रस्तुत प्रोजेक्ट रिपोर्ट में वर्णित मदों में से भवन निर्माण एवं प्लांट एवं मशीनरी के मद में दर्शायी गई राशि का 75 प्रतिशत राशि का उत्पादन के समय स्थायी रूप से निवेश उपरोक्त मदों में निर्धारित या विस्तारित समयावधि में निवेश आवश्यक होगा।

वृक्षम अमृतम ने किया वृक्षारोपण

उदयपुर, 18 मार्च। वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान और राजस्थान महिला टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लखावली में 51 पेड़ लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। वृक्षारोपण में 51 आम, नीम, केले, मालेश्री और चीकू के पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम में सरपंच मोहन डांगी, वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपेश शर्मा, उपाध्यक्ष अनिल पारिख, सचिव यशवंत त्रिवेदी, शिव शंकर पालीवाल, महेश उपाध्याय, उपस्थित थे। अध्यक्ष गोपेश शर्मा ने विधार्थियों को वृक्षो के महत्व के बारे में बताते हुए, संरक्षण की शपथ दिलाई द्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मंजुलता परिहार ने सभी अतिथियों का ऊपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। लखावली गांव में प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर सामुदायिक जागरूकता के उद्देश्य से रेली निकाली गई। रेली में विद्यार्थियों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को संदेश के माध्यम से बताया गया। कार्यक्रम में डॉ शैलजा भारद्वाज, डॉ निरुपमा शर्मा, चंद्रावती जोशी और दिव्या राजावत उपस्थित थे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ निरुपमा शर्मा ने धन्यवाद दिया।

शयोर एवं केयर्न फाउंडेशन का डेयरी पशु प्रबंधन जन जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु साझा प्रयास

बाड़मेर, 18 मार्च। जागरूक सशक्त एवं संगठित बनकर उपभोक्ता अपने हक एवं अधिकार की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकते हैं। अप्रमाणिक उत्पाद और अनुचित व्यापार से उपभोक्ताओं का शोषण के खिलाफ आवाज उठाने से ही हल संभव है। उक्त बात सोसायटी टु अपलिफ्ट रूरल इकोनामी (शयोर) बाड़मेर द्वारा केयर्न फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत दुग्ध अवशीतलन केंद्र परिसर डांगीयो की ढाणी ग्राम पंचायत देवड़ा मैं आयोजित विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजन के दौरान बोलते हुए सहायक परियोजना समन्वयक मालाराम चौधरी ने कही। चौधरी ने उपस्थित अतिथियों दुग्ध उत्पादको एवं किसानों का स्वागत करते हुए एवं दिवस के उद्देश्य की स्पष्टता करते हुए कहा की उपभोक्ता हमेशा प्रमाणिक गुणवत्ता युक्त हमेशा स्वच्छ शुद्ध सामग्री ही क्रय करें। तथा उसकी पावती ले।

चौधरी ने कहा कि अनुचित व्यवहार और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने से जहां कमजोर उपभोक्ता ठगी होने से बचेंगे वही कंपनियां कार्यवाही के डर से प्रमाणिकता की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने सुरक्षा का अधिकार चुनने का अधिकार जाचने का अधिकार शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का लाभ लेना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चौधरी ने परियोजना के तहत किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर परियोजना से जुड़कर उनका लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। फील्ड समन्वयक देवी सिंह देवड़ा ने विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की महता पर विस्तार से जानकारी देकर सभी को जागरूक एवं संगठित रहकर अपने अधिकारों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में समिति सचिव नाथाराम डांगी ने समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी देते हुए संस्था द्वारा डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत समुदाय आधारित किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उपस्थित दुग्ध उत्पादकों को डेयरी पर गुणवत्ता युक्त नियमित रूप से दूध देने हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम में 34 महिलाओं सहित कुल 47 दुग्ध उत्पादकों एवं किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम मैं सभी संभागीयो को प्रोत्साहन स्वरूप बैग एवं डेयरी एवं कृषि वार्षिक पंचांग 2025 कैलेंडर वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभाओं को जैविक उन्नत सब्जी किट पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान एवं दुग्ध उत्पादक वरजागा राम चौधरी, चेलाराम चौधरी, वर्षा देवी मेघवाल, संतोष कवर पुरोहित, श्रीमती लीला देवी, श्रीमती छगन देवी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की समाप्ति पर समिति सचिव नाथाराम डांगी एवं महिला समूह अध्यक्ष वर्षा देवी ने समिति स्तर पर कार्यक्रम रखने एवं कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अटल भूजल योजना की कार्यशाला

कोटा, 18 मार्च। जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई भूजल विभाग द्वारा अटल भूजल योजना के अंतर्गत सोमवार को एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन पंचायत प्रशिक्षण केंद्र सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि प्रिंसिपल पंचायत प्रशिक्षण केंद्र लोकेश दाधीच, सहायक निदेशक कृषि विस्तार सांगोद डॉ. नरेश कुमार शर्मा व सहायक निदेशक उद्यान विभाग सांगोद सुमन मीणा रहे। कार्यक्रम में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने उद्बोधन में पुरातन जल संरक्षण इकाइयों व जन सहभागिता पर चर्चा की एवं जल के महत्व को विस्तार पूर्वक समझाया। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में किस प्रकार जल का संरक्षण करके उसका सही और सरल उपयोग किया जा सकता है। वर्षा जल का सदुपयोग करते हुए इसका संग्रहण कर कृषि क्षेत्र में अधिक से अधिक उपयोग किया जा सकता है। भूजल के गिरते जल स्तर पर भी चर्चा की गई। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से प्राप्त विभागीय अनुदान एवं अटल भूजल योजना में संचालित गतिविधियों द्वारा कृषि क्षेत्र में किस प्रकार पानी को रिचार्ज करने के लिए उचित संरचनाओं का निर्माण हो जिससे कि भविष्य में जल को सुरक्षित किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन आईईसी एक्सपर्ट जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई सुनीता चौहान ने किया। कोटा नोडल अधिकारी वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक अटल जल योजना, भूजल विभाग सुबोध मेहता ने योजना के अन्तर्गत मुख्य उद्देश्य एवं योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। आपसी समन्वय से किस प्रकार गिरते भूजल स्तर को रोका जाए, इस पर चर्चा की गई। साथ ही, कम पानी वाली फसलें लगाने पर जोर दिया।

19 मार्च को धौलपुर, 20 मार्च को बाड़ी एवं सरमथुरा में व्यापारियों को दी जाएगी फोस्टेक ट्रेनिंग

धौलपुर, 18 मार्च। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने बताया कि सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में व्यापारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री के निर्माण,भंडारण, परिवहन एवं विक्रय से संबंधित जानकारी हेतु फोस्टक ट्रेनिंग (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन) प्रशिक्षण शिविर एवं खाद्य कारोबार कर्ताओं के लिये मौके पर ही लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन पत्र बनवाने के लिए 19 मार्च को सुबह 11 बजे आशीर्वाद होटल में तथा 20 मार्च को सुबह 11 बजे अग्रवाल धर्मशाला बाड़ी एवं दोपहर 2:30 बजे राधारानी मैरिज होम सरमथुरा में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर के दौरान ईट राइट इंडिया कैंपेन के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली से आए प्रशिक्षक खाद्य पदार्थों के रखरखाव एवं साफ सफाई देखभाल से संबंधित प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत यह प्रशिक्षण अनिवार्य है सभी व्यापारी अपने स्टाफ सहित आधार कार्ड की फोटो प्रति लेकर आवश्यक रूप से उपस्थित हो। प्रशिक्षण शिविर में व्यापारी मौके पर ही खाद्य लाइसेंस पंजीकरण करवा सकेंगे।

पेंशन संबंधित समस्याओं के लिए कार्यशाला 21 मार्च को

कोटा, 18 मार्च। क्षेत्रीय पेंशन कार्यालय सीएडी परिसर में 21 मार्च, शुक्रवार को प्रात: 11 से सायं 4 बजे तक विभिन्न राजकीय सेवानिवृत्त पेंशनर्स अथवा भावी पेंशनर्स के पेंशन संबंधित समस्याओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

धौलपुर, 18 मार्च। साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में किसी प्रकार के रुकावट के निस्तारण हेतु उच्च स्तर पर पत्र लिखे जायें। इस दौरान बैठक में जिला कलक्टर ने खाद्य सुरक्षा आवेदनों की स्थिति पर जानकारी ली।

उन्होंने जिला रसद अधिकारी को खाद्य सुरक्षा के लंबित आवेदनों के निस्तारण हेतु समुचित कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर परिषद को शहर में साफ-सफाई के संबंध में समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने वार्डों के पुनर्गठन हेतु जनसंख्या के आधार पर यथासंभव समान प्रतिनिधित्व के बारे में विशेष ध्यान रखे जाने हेतु निर्देशित किया।

इस दौरान उन्होंने सभी विभागां बजट घोषणाओं से संबंधित विभिन्न कार्यों की क्रियान्विती की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को समुचित कार्यवाही हेतु निर्देश दिये। उन्होंने लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को तीव्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महर्षि दाधीच समाज द्वारा होली मिलन समारोह

उदयपुर, 18 मार्च। महर्षि दाधीच सेवा संस्थान (दाधीच समाज) के द्वारा आज सेक्टर 4 स्थित समाज के भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान अध्यक्ष सुधीर जोशी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान समाज के लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर होली की बधाई व शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव संदीप दाधीच ने कहा है कि होली पर्व समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम है इस बहाने लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे को रंग अबीर लगाकर सामाजिक सौहार्द को बरकरार रखते हैं। कार्यक्रम में राधा कृष्ण की झांकी का एवं महिलाओं द्वारा भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया।

इस अवसर पर मनोहर शंकर दाधीच उपाध्यक्ष डा दीपक व्यास, उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा कोषाध्यक्ष केदारनाथ दाधीच, सांस्कृतिक सचिव नीतू आचार्य, महिला अध्यक्ष डॉ नीतू व्यास, कैलाशचंद्र दाधीच, जगदीश आचार्य, गजेंद्र मिश्रा, निर्मल व्यास, नलिनी के. भट्ट, डिंपल दाधीच, उर्मिला दाधीच, राधेश्याम दाधीच, निशांत, शरद तिवारी सहित समाज के सभी बुजुर्ग युवा एवं महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन महिला अध्यक्ष नीतू व्यास ने किया।

हल्दीघाटी एक्सप्रेस का अरनेठा स्टेशन पर एक मिनट का ठहराव मिला

कोटा, 18 मार्च। रेल प्रसाशन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु रतलाम-आगरा फोर्ट/यमुना ब्रिज आगरा-रतलाम हल्दीघाटी एक्सप्रेस का मंडल के अरनेठा स्टेशन पर प्रयोगिक तौर पर अगले आदेश तक एक मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी संख्या 19817 व 19818 रतलाम-आगरा फोर्ट/यमुना ब्रिज आगरा-रतलाम हल्दीघाटी एक्सप्रेस रतलाम से प्रस्थान कर दिनांक 18 मार्च को अरनेठा 20.14 आगमन कर गंतव्य को जाएगी एवं इसी प्रकार यमुना ब्रिज आगरा से प्रस्थान करने वाली गाड़ी दिनांक 19 मार्च को सुबह 03.44 बजे अरनेठा आगमन कर गंतव्य को जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि हल्दीघाटी एक्सप्रेस का अरनेठा स्टेशन पर ठहराव से यात्रियों को लाभ मिलेगा। इस संबंध में यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन के ठहराव की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक 19 को

उदयपुर, 18 मार्च। जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक बुधवार 19 मार्च को अपराह्न 4 बजे जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। समिति के सदस्य सचिव एवं जिला कोषाधिकारी (ग्रामीण) ने सभी विभागीय अधिकारियों को सेवानिवृत कर्मचारियों व अधिकारियों की सूचना निर्धारित प्रपत्र में 18 मार्च तक प्रेषित करने तथा बैठक में नियत तिथि को आवश्यक सूचनाओं के साथ उपस्थित रहने को कहा है।

केन्द्रीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविरों के लिए आवेदन आमन्त्रित

उदयपुर, 18 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद जयपुर के तत्वाधान में केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर आबूपर्वत में 21 मई से 10 जून तक, जयपुर में 19 मई 8 जून तक एवं बांसवाड़ा में केन्द्रीय जनजाति प्रशिक्षण शिविर 23 मई से 12 जून तक लगाया जाना प्रस्तावित है।

जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि इन शिविरों में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रतिभावान खिलाड़ी 25 अप्रैल तक क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र लवकुश इनडोर स्टेडियम उदयपुर में आवेदन पत्र जमा करवा सकते है। आवेदन पत्र डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आरएसएससी डॉट इन से डाउनलोड कर सकते है। इसके लिए 31 मई 2025 को खिलाडियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 17 वर्ष होना आवश्यक है। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल प्रमाण पत्र या सरंपच द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ खेल प्रमाण पत्र संलग्न करना भी आवश्यक है। चयनित खिलाडियो को यात्रा भत्ता, नि:शुल्क आवास एवं भोजन व्यवस्था, खेल उपकरण, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ.पालीवाल ने बताया कि आबू पर्वत में बालक-बालिका वर्ग में हैण्डबॉल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, बाक्सिंग, एथलेटिक्स एवं तीरन्दाजी, जयपुर में बालक-बालिका वर्ग फुटबाल, क्रिकेट, जिम्नास्टिक जूडो, हॉकी, कुश्ती, कब्बड्डी, भारोत्तोलन, खो-खो, साइक्लिंग, बैडमिन्टन, टेबल-टेनिस, वूशु, तैराकी एवं जनजाति शिविर बांसवाड़ा में वालीबॉल, तीरन्दाजी, एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, फुटबाल, हैण्डबाल (बालक-बालिका वर्ग) तथा बास्केटबॉल (बालक वर्ग) में प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन किया जाएगा।

कोटा मे किया चुनाव कार्यकाल का उद्घाटन

कोटा, 18 मार्च। लायंस क्लब कोटा द्वारा प्रांत 3233 श्व2 में वर्ष 2025-26 के लिए वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सेकंड पद के चुनाव हेतु लायन सीपी विजयवर्गीय को अपना प्रत्याशी घोषित किया गया है। चुनाव संयोजक एमजेएफ अशोक नुवाल ने बताया कि सोमवार को विधिवत रूप से चुनाव कार्यालय का उद्घाटन गुमानपुरा, पुलिस थाने के समीप पूर्व प्रांत पाल लायन राजेंद्र अग्रवाल एवं पूर्व प्रांत पाल लायन पूर्णिमा खंडेलवाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

यह चुनाव आगामी 19 एवं 20 अप्रैल को उदयपुर में आयोजित किए जाएंगे।सी पी विजयवर्गीय ने बताया कि उन्होंने चुनाव संयोजक लायन अशोक नुवाल एवं कोटा रीजन के अन्य लायन साथियों के साथ पूरे प्रांत का व्यापक जनसंपर्क जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि पूरे प्रांत में लगभग 5200 सदस्य हैं और अधिकांश क्लबों ने मत एवं समर्थन का पूर्ण आश्वासन दिया है। अपने उद्बोधन में लायन सीपी विजयवर्गीय ने कहा, मेरा प्रयास होगा कि हम सभी भ्रातृत्व की भावना को और अधिक मज़बूत करें। सेवा के क्षेत्र में हम एक नई क्रांति लाएंगे और प्रेमभाव व सद्भाव को बढ़ावा देंगे। मेरी योजना है कि डिस्ट्रिक्ट में नए सेवा प्रकल्पों को जोड़ा जाए ताकि समाज के अधिक से अधिक वर्गों तक लायंस क्लब की सेवाएं पहुंच सकें। पूर्व प्रांतपाल राजेंद्र अग्रवाल ने इस अवसर पर बताया कि प्रांत 3233 श्व2 चार भागों में विभक्त है, जिसमें कोटा, उदयपुर व अजमेर संभाग के साथ-साथ जोधपुर संभाग और मध्य प्रदेश के नीमच व मंदसौर जिले भी शामिल हैं। इस पूरे प्रांत में 5200 से अधिक लायन साथी सक्रिय हैं। सीपी विजय को सभी क्लबों के सदस्यों भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है। समारोह के दौरान, पूर्व प्रांतपाल राजेंद्र अग्रवाल ने लायन सीपी विजय को लायंस क्लब इंटरनेशनल की पिन लगाकर सम्मानित किया, जो उनकी सेवाओं और समर्पण का प्रतीक है।

कार्यालय नगर परिषद, डीडवाना जिला डीडवाना-कुचामन

क्रमांक : न.परि.डी/भूमि/2024-25/7177 दिनांक : 12.03.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद डीडवाना में निम्न आवेदक द्वारा आवासीय भूमि से वाणिज्यक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु आवेदक के मानचित्र के साथ पत्रावली प्रस्तुत करते हुए भू-उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन किया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. स.	आवेदक का नाम/ आवेदित भूमि का पता	भूमि का क्षैत्रफल	भू-उपयोग प्रयोजन	पडौस
1	2	4	7	
1	श्री महमूद खान, श्री रूस्तम खान, श्री सदाम हुसैन पुत्रगण श्री कासम खान निवासी डीडवाना	36.24	वाणिज्यक	उतर – दिनेश प्रकाश दक्षिण – रास्ता निकाल पैसार पूर्व – संयुक्त गली पश्चिम – रोड व निकाल पैसार

जिसके संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की 15 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित में आपतियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करायें अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं संस्था के पक्ष में भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही की जायेगी।

राज.संवाद/सी/24/13253 आयुक्त

EXECUTIVE ENGINEER PHED RURAL DIV 1st ALWAR (NCR)
HKM NAGAR ALWAR(RAJ.). E-Mail- eephedrd1-alw-rj@nic.in

No-2638-49 Date- 10/03/2025

NOTICE INVITING BID (NIT No. 34/2024-25)

Bids for Tender invited for Construction of 125mm diameter Hand Pump 10 nos (installation of Hand pump sets, construction of platforms) with recharge structure under Rural Dn. 1st NCR Alwarare invited from interested bidders upto **05:00 PM** on **Date 25.03.2025** Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and https://phedwater.rajasthan.gov.in departmental website.

UBN: PHE2425WSOB11432

DIPR/C/3680/25 **Executive Engineer**

कार्यालय अधिशाषी अभि. जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड कांमा

क्रमांक: 1087-91 दिनांक: 3/3/25

संशोधित निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 1025-32 दिनांक 22-2-2025 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 60-62/2024-25 जो दिनांक 4.3.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जानी थी को अपरिहार्य कारणों से अब से निविदाएं दिनांक 15.3.25 को 6.00 बजे तक खोली जाकर दिनांक 19.3.25 को 12.30 बजे को खोली जावेगी। निविदा की शर्तें यथावत रहेगी।

UBN No. PHE2425WSLB10414, PHE2425WSLB10417, PHE2425WSLB10418

(रघुवीर सिंह गुर्जर)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि.विभाग खण्ड कांमा

डीआईपीआर/सी/3691/25

आज का दिन

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 18 मार्च, सन् 2025 ईस्वी। वार- मंगलवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-शिशिर

सम्पादकीय

निर्वासन की मजबूरी

अमेरिका में कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय मूल की पीएचडी स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन का एफ-1 वीजा रद्द होने की वजह से निर्वासन पर मजबूर होना पड़ा, जो दुखद है। उनका वीजा कथित तौर पर यूनिवर्सिटी कैंपस में फलस्तीन के समर्थन में हुए प्रदर्शन में शामिल होने की वजह से रद्द किया गया था। अमेरिकी होमलैंड सिक्यॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से कहा गया कि अमेरिका में रहने और पढ़ने के लिए जिन लोगों को वीजा मिलता है, यह उनके लिए सम्मान की बात होनी चाहिए। उसने यह भी कहा कि इस तरह का वीजा जिन लोगों को मिला है, अगर वे हिंसा और आतंकवाद की तरफदारी करते हैं तो उनसे यह सम्मान वापस ले लिया जाना चाहिए। लेकिन क्या रंजनी ने हिंसा और आतंकवाद का समर्थन किया था? अगर हां तो ट्रंप प्रशासन ने इसके सबूत क्यों नहीं दिए। फलस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करना नहीं माना जा सकता। दुनिया के ज्यादातर मुल्क फलस्तीन-इस्राइल संघर्ष में 'टू स्टेट थिअरी' की वकालत करते हैं। उनमें भारत भी शामिल है। इस थिअरी के मुताबिक, फलस्तीन और इस्राइल दोनों को अपना अस्तित्व बनाए रखने का अधिकार है। इस संघर्ष की सचाई यह है कि इस्राइल ने फलस्तीन के बड़े इलाके पर कब्जा किया हुआ है और हमास के उसके क्षेत्र में आतंकवादी हमला करने और इस्राइलियों को बंधक बनाए जाने के बाद बिन्यामिन नेतन्याहू सरकार गाजा में सैन्य अभियान चला रही है, जिसमें बड़ी संख्या में फलस्तीनी मारे गए हैं और वहां एक मानवीय संकट भी खड़ा हो गया है। नेतन्याहू पर युद्ध अपराधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने वॉरंट जारी किया हुआ है. जबकि इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का गाजा को 'रिवेरा' बनाने का हास्यास्पद प्रस्ताव आ चुका है। खैर, रंजनी के मामले में ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि उनका वीजा राष्ट्रीय सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए रद्द किया गया। ट्रंप के गाजा पर दिए गए प्रस्ताव की तरह ही यह भी हास्यास्पद है। आखिर एक स्टूडेंट से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को क्या खतरा हो सकता है? ट्रंप सरकार को याद रखना चाहिए कि रंजनी जैसे उच्च शिक्षित स्टूडेंट्स ने अमेरिका के विकास में सराहनीय योगदान दिया है। वे कई शीर्ष अमेरिकी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। रंजनी का निर्वासन उस लोकतंत्र की भावना के भी खिलाफ है, जिसके केंद्र में अभिव्यक्ति की आजादी रहा है और अमेरिका को वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक भी माना जाता रहा है।

फलस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करना नहीं माना जा सकता। दुनिया के ज्यादातर मुल्क फलस्तीन-इस्राइल संघर्ष में 'टू स्टेट थिअरी' की वकालत करते हैं। उनमें भारत भी शामिल है।

विदेशी अखबारों से

ट्रेन अपहरण के बाद अब बलूच लिबरेशन आर्मी ने सुरक्षा बलों को बनाया निशाना

ट्रेन अपहरण के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अब सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें सात जवानों की मौत हो गयी है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उनके आत्मघाती हमले में 90 सैन्यकर्मी मारे गए हैं। हालांकि, सूत्रों ने अभी तक सात मौतों की पुष्टि की है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी है। इसी के साथ इलाके की निगरानी के लिए ड्रोन लॉन्च किए गए हैं। क्वेटा से ताफ्तान जा रहे अर्धसैनिक फ्रंटियर कॉर्प (एफसी) के काफिले पर हमला नोश्की इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन से काफिले को टक्कर मार दी। बता दें, सुरक्षा बलों के इस काफिले में सात बस और दो वाहन शामिल थे। स्थानीय नोश्की पुलिस थाने के प्रमुख जफरुल्लाह सुमालानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह एक आत्मघाती हमला था। अधिकारी ने कहा, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सुमालानी ने कहा कि हमले की जगह से मिले साक्ष्यों से पता चलता है कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को एफसी काफिले में घुसा दिया। बीएलए की ओर से जारी बयान में कहा गया, बलूच लिबरेशन आर्मी की फिदायी इकाई मजीद ब्रिगेड ने कुछ घंटे पहले नोशकी में आरसीडी हाईवे पर रखशान मिल के पास वीबीआईईडी फिदायी हमले में कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक विस्फोट में पूरी तरह नष्ट हो गई। इसमें कहा गया, हमले के तुरंत बाद, बीएलए के फतेह दस्ते ने आगे बढ़कर एक और बस को पूरी तरह से घेर लिया, व्यवस्थित रूप से उसमें सवार सभी सैन्य कर्मियों को मार गिराया, जिससे दुश्मन के हताहतों की कुल संख्या 90 हो गई।

प्रेरक प्रसंग

राम भजो

कुंदन काका एक फैक्ट्री में पेड़ काटने का काम करते थे. अधिकतर मजदूर उनसे जलते थे। एक दिन एक नौजवान युवक मजदूर सामने आया और बोला- मालिक! आप हमेशा इन्ही काका की तारीफ़ करते हैं। इस पर मालिक बोले अगर ऐसा ही है तो क्यों न कल पेड़ काटने की प्रतियोगिता हो जाए। अगले दिन प्रतियोगिता शुरू हुई। मजदूर बाकी दिनों की तुलना में जल्दी-जल्दी हाथ चला रहे थे। सबने देखा कि शुरू के आधा दिन बीतने तक काका ने 4-5 ही पेड़ काटे थे। ऊपर से रोज की तरह वे अपने समय पर एक कमरे में चले गए जहां वो रोज आराम करने जाया करते थे। अब मालिक ने पेड़ों की गिनती शुरू की। बाकी मजदूर तो कुछ ख़ास नहीं कर पाए। उन्होंने 11 पेड़ काटे। अब काका के काटे पेड़ों की गिनती होने लगी तो आखिरी पेड़ बारहवां था। तभी हारे हुए मजदूर ने पूछा- काका, मैं अपनी हार मानता हूँ। लेकिन यह तो बताइये कि आप में ताकत भी कम है और ऊपर से आप काम के बीच आधे घंटे विश्राम भी करते हैं, फिर भी आप सबसे अधिक पेड़ कैसे काट लेते हैं? इस पर काका बोले- बेटा सीधा सा कारण है। जब मैं विश्राम करने जाता हूं तो उस दौरान कुल्हाड़ी की धार तेज कर लेता हूं, जिससे बाकी समय में मैं कम मेहनत के साथ तुम लोगों से अधिक पेड़ काट पाता हूं। सभी मजदूर आश्चर्य में थे कि सिर्फ थोड़ी देर धार तेज करने से कितना फर्क पड़ जाता है।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अत: अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टत: दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुन: वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंतत: इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धियां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी। विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है।

भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंतत: भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है।

मुस्लिम के बिना भारत की राजनीति नहीं चल सकती

शकील अख्तर

मुसलमान बीच में से हट जाए तो दलित पिछड़ों का जीना मुश्किल है! यह कर्नाटक सरकार का फैसला मूलतः अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ों को बड़े ताकतवर समुदायों के ठेकेदारों के मुकाबले थोड़ा सा सशक्त करने के लिए है। लेकिन अन्य पिछड़ों में मुसलमान भी आते हैं इसलिए इसे विवाद का विषय बना दिया गया। मुस्लिम बीजेपी के लिए एक ऐसी चीज हैं जिसके बिना उसकी राजनीति नहीं हो सकती। एक किस्सा सुनाते हैं आपको। 2004 में जब अटलबिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन गए और सब बधाइयां वधाइयां हो गईं। केवल अडावानी और वाजपेयी बचे। तो वाजपेयी जी ने कहा कि कहिए आडवानी जी अब मुसलमानों को कहां फेंक आएं अरब सागर में या आपके हिन्दू नाम वाले प्रशांत महासागर में? आडवानी जी घबराए! बोले नहीं नहीं!

बीजेपी मुसलमानों को जीने नहीं देगी। और विपक्ष उसे मरने नहीं देगा! कल्पना कीजिए बिना मुसलमान के भारत में राजनीति कैसी होगी? सारी शामत दलित, पिछड़ा, आदिवासी, महिलाओं की आ जाएगी। मुसलमान इनके और बीजेपी के बीच में एक दीवार है। अगर दीवार हट गई तो मनुवाद के हमले दलित पिछड़ा झेल नहीं पाएगा। कर्नाटक की केबिनेट ने एससी, एसटी, अन्य पिछड़े, सभी अल्पसंख्यक के लिए एक करोड़ तक की सरकारी खरीद में केवल पांच प्रतिशत के आरक्षण का प्रस्ताव पारित किया है। मगर बीजेपी ने हंगामा मचा दिया। उसे मनचाही मुराद मिल गई। अभी कहीं लागू नहीं हुआ। लेकिन देश भर के मीडिया में यही खबर चल रही है। केवल पांच प्रतिशत के इस ग्रूप में मुसलमान कितना फायदा उठा लेंगे किसी को नहीं मालूम। मगर बीजेपी इस तरह बोल रही है, मीडिया इस तरह चला रहा है जैसे मुसलमानों को कोई बहुत बड़ा लाभ मिलने जा रहा हो। कर्नाटक सरकार ने कोई नया काम नहीं किया है। करीब 25 साल पहले मध्य प्रदेश में दलित अजेंडा लेकर आने वाले उस समय के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दलितों के लिए सरकारी खरीद में 30 प्रतिशत आरक्षण किया था। उसका इतना विरोध हुआ कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर जाना पड़ा। इससे आप समझ सकते हैं कि दलित, पिछड़ों, आदिवासियों के लिए अगर कुछ वास्तविक काम किया जाता है तो उसका क्या राजनीतिक परिणाम होता है। उस दलित अजेंडे के बाद ही आए 2003 के विधानसभा चुनाव में जो कांग्रेस हारी तो अभी तक मध्यप्रदेश में वापस नहीं आ पाई है। वह 2018 में कुछ समय के लिए आई कमलनाथ सरकार का कोई मायने नहीं है। वह चार दिन की चांदनी वह भी कमलनाथ और उनके कुछ खास लोगों के लिए रही बाकी पूरी मध्यप्रदेश कांग्रेस के लिए अधेंरी रात 2003 से ही जारी है। मुसलमान बीच में से हट जाए तो दलित पिछड़ों का जीना मुश्किल है! यह कर्नाटक सरकार का फैसला मूलत: अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ों को बड़े ताकतवर समुदायों के ठेकेदारों के मुकाबले थोड़ा सा सशक्त करने के लिए है। लेकिन अन्य पिछड़ों में मुसलमान भी आते हैं इसलिए इसे विवाद का विषय बना दिया गया। मुस्लिम बीजेपी के लिए एक ऐसी चीज हैं जिसके बिना उसकी राजनीति नहीं हो सकती। एक किस्सा सुनाते हैं आपको। 2004 में जब अटलबिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन गए और सब बधाइयां वधाइयां हो गईं। केवल अडावानी और वाजपेयी बचे। तो वाजपेयी जी ने कहा कि कहिए आडवानी जी अब मुसलमानों को कहां फेंक आएं अरब सागर में या आपके हिन्दू नाम वाले प्रशांत महासागर में? आडवानी जी घबराए! बोले नहीं नहीं! फिर मेरी राजनीति का क्या होगा? हालांकि राजनीति फिर भी नहीं चली। प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। और बड़े बेआबरू होकर बाकी जिन्दगी बिताना पड़ रही है। अभी होली के ठीक बाद भाजपा का एक बड़ा अफ्तार प्रोग्राम हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहली बार किसी सार्वजनिक प्रोग्राम में दिखीं। कांग्रेस से और दूसरे विपक्षी दलों से तो यह हमेशा कहते रहते हैं कि अफ्तार में जाते हो हिन्दुओं के कार्यक्रमों में नहीं जाते। लेकिन खुद कोई होली मिलन का बड़ा कार्यक्रम करने के बदले रोजा अफ्तार में सारे बड़े नेता भाजपा के, केन्द्रीय मंत्री पहुंचे। कोई बुरी बात नहीं है। खुद वाजपेयी जी रोजा अफ्तार करते थे। सफेद नमाजी टोपी लगाते थे। लेकिन सोनिया गांधी के करने पर हमेशा सवाल उठाए। अब सोनिया गांधी ने बंद भी कर दिया। हम तो हमेशा से इन राजनीतिक रोजा अफ्तार के विरोध में लिखते रहे। इसका आम मुसलमानों को कोई फायदा नहीं। मगर निशाने पर उन्हीं को लिया जाता है। सवाल उन्हीं से होते हैं। आज जो गोदी मीडिया के बड़े-बड़े धुरंधर हैं उनमें से किसी को अहमद पटेल, गुलामनबी आजाद, सलमान खुर्शीद से यह सवाल पूछते नहीं देखा कि रोजा अफ्तार क्यों? हां, गरीब मुसलमानों की बस्ती में यह सवाल जरूर पूछवाते हैं। अब दिल्ली की भाजपा की मुख्यमंत्री से पूछने की हिम्मत भी किसी ने नहीं दिखाई। मीडिया का एक और बड़ा रूप है। होली दीवाली पर कभी-किसी गोदी मीडिया के एंकर पत्रकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि बिना बुलाए प्रधानमंत्री मोदी के या बीजेपी के किसी बड़े नेता के यहां पहुंच जाएं। मगर कांग्रेस के मुसलमान नेताओं के यहां पहुंच जाते हैं। उनके या उनकी नेता सोनिया के रोजा अफ्तार की आलोचना भी करते हैं और ईद पर तो खिलाना ही पड़ेगा के अधिकार के साथ भी पहुंच जाते हैं।

एक मुस्लिम ग्रंथी जो बीजेपी संघ ने पैदा की। वह भाजपा और संघ के लोगों से ज्यादा मीडिया में है और जितना मुस्लिम विरोध की भावना उनमें है उससे कई गुना ज्यादा दलित पिछड़े, आदिवासी के लिए है। राहुल का यह सवाल सही है जो वे कई बार प्रेस कान्फ्रेंस में भी पूछ चुके हैं कि यहां मौजूद पत्रकारों में दलित पिछड़े कितने हैं? हालांकि वे खुद इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि उनके अखबारों जिनमें तो सारी भर्ती ही नई की गई है कितने दलित पिछड़े हैं? कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड, नवजीवन, कौमी आवाज पहले भी बंद इसीलिए हुए कि वह पूरे संघियों के हाथों में चले गए थे।

इतनी ओवर भर्तियां हो गईं थी कि तनखा देना मुश्किल हो गया था। कई रिटायर्ड अफसर हैं। आईएएस आईपीएस। पूरे संघी हो गए हैं। कुछ डबल इंजन की सरकारों में मिला भी हुआ है। राहुल का मजाक उड़ाना तो पहला काम है। मगर कभी-कभी यह बताने के लिए हम भी कभी लिखते थे। अपनी पुरानी कटिंग्स सोशल मीडिया पर डालते हैं। मिलने पर दिखाते भी हैं। नेशनल हेराल्ड में छपे लेख। हम कहते हैं आर्गनाइजर (संघ का मुखपत्र) में क्यों नहीं लिखते थे? कहते हैं वह कोई अखबार है? फिर आज टेबल पर यह क्यों रखा है? हें.. हें .. हें! नेशनल हेराल्ड क्यों नहीं? वह अब कोई अखबार बचा है? कांग्रेस के नेता तक नहीं पढ़ते। अभी हमें पिछले हफ्ते के नेशनल हेराल्ड और नवजीवन के पहले पेजों के फोटो किसी ने भेजे थे। बाद में अखबार भी। पहले पेज पर टाप पर करीब 6 -6 कालमों में मोदी जी के फोटो लगे थे। क्यों इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नई भर्तियों की बात आई तो याद आया कि पहले लोकसभा चैनल और फिर राज्यसभा चैनल कांग्रेस के राज में ही शुरू हुए। और सब नई भर्तियां ही हुईं। खूब संघ के लोगों ने अपने लोगों को भर्ती कराया। बहुत बड़े पदों पर रहने वाले भी अपनी सफाई में यह लिखते रहते हैं कि हम कांग्रेसी नहीं।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

लव की इमोजी...

देसी ठाठ के व्यक्ति हैं वह-मिस्टर देसी कह सकते हैं उन्हे। फेसबुक, व्हाट्असअप शिष्टाचार से वाकिफ नहीं हैं। उनके एक कमेंट पर एक महिला मित्र ने एक इमोजी भेजा, जिसमें इमोजी में मानव-आकृति की एक आंख दबी हुई थी। इमोजी शरारत के भाव को संप्रेषित कर रही थी। मिस्टर देसी इसे दिल पर ले गये और बताने लगे कि फलां ने उन्हे आंख मारी है। उनका अंदाज कुछ कुछ उस लफंगे छोकरे का सा था, जो अपनी प्रेमिका के खत पूरे मुहल्ले के लफंडरों को पढ़वाता है। मैंने निवेदन किया-इस तरह से नहीं समझते इमोजी को। यह सिर्फ शरारत का भाव है। आपने कोई चुटीली बात कह दी होगी, तो बदले में उन्होने इस तरह का इमोजी भेज दिया होगा। आपके प्रति आंख मारने का भाव न रहा होगा। आप यूं ना कीजियेगा कि सचमुच आमने सामने वन टू वन उन्हे आंख मारने चले जायें। आनलाइन शिष्टाचार अलग होते हैं। आपकी किसी बात को कोई पसंद कर ले, तो दिल के आकार के उछलते हुए मैसेज भी आ सकते हैं। पर इसका मतलब यह नहीं है सामनेवाली पार्टी ने आपको दिल दे दिया है। सामनेवाली पार्टी इमोजी के जरिये इस तरह से दिलों की सप्लाई दिन में कई बार कईयों को कर सकती है। इस तरह से दिल को दिल पे नहीं लेने का।

मुझे लगा जैसे मैंने मिस्टर देसी का दिल तोड़ दिया। दिल कई बार गलतफहमियों पर खुश होता है। कई बार क्या, लगभग हर बार गलतफहमियां ही बंदे को खुश रखती हैं। सच्चाई तो कतई दिल-तोड़क होती है। कई मित्र ऐसे माहौल में पले बढ़े हैं, जहां किसी महिला का मुस्कुराकर देखना तो बहुत दूर की बात, कोई महिला देख भी ले, तो लगता था कि इसका जवाब सिर्फ आई लव यू होना चाहिए। अब ऐसे मित्रों को किसी महिला से हंसती हुई इमोजी मिल जाये, जाने कैसी कैसी उम्मीदें लगाने लगते हैं। आनलाइन आदाब की कोई मार्गदर्शिका हो ,तो बेहतर है। कुछ गाइडलाइन्स बन जायें, तो बेहतर है। क्या का क्या समझ लिया जाता है। जाने कैसी कैसी गलतफहमियां हो जाती हैं। टेकनोलोजी बहुत आगे बढ़ गयी है। सोच ना बढ़ पायी है। सत्तरवीं शताब्दी की सोच से 21 शताब्दी की टेक्नोलोजी हैंडल करने के खतरे हैं। और ऐसे भी कहीं हैं, जिनकी वित्तीय हैसियत 22 वीं शताब्दी की टेक्नोलोजी से डील करने की है, पर उनकी मानसिकता क्षमता आदिमानवों वाली है। नयी तकनीक कई मामले में बहुत खतरनाक है। उन्हे समझना कई बार आसान नहीं होता। एक साथी किसी संघर्ष में जुटे हुए थे। मैंने उनके साथ अपनी सहानुभूति दिखाने के लिए एक इमोजी को भेजा, जिसमें दो पुरुष एक साथ हाथ में हाथ डाले खड़े थे। बाद में उस मित्र का मैसेज आया - दोनों पुरुष गुलाबी रंग की शर्ट पहने खड़े हैं इमोजी में। इसका मतलब बहुत खतरनाक है।

राजस्थान में 73% ग्रामीण महिला उद्यमी अपनी मासिक आय का एक हिस्सा लगातार बचाती हैं: हक़दर्शक और डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा सर्वेक्षण

जयपुर। डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर भारत के गांवों में महिला उद्यमियों की अभिलाषाओं, चुनौतियों और वित्तीय व्यवहार पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट, 2025 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले जारी की गई है, और यह 2024 में डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा शुरू किए गए 'वुमन एंड फाइनेंस' (WAF) अध्ययन पर आधारित है। इसमें तीन रिपोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और फाइनेंस को लेकर उनके नजरिये से संबंधित अनोखी जानकारी देती है।

पहले दो रिपोर्ट्स में शहरी भारत की महिलाओं के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसमें उनकी बचत और निवेश की आदतों, कॅरियर की पसंद और नौकरी में उन्हें आने वाली चुनौतियों पर फोकस किया गया था। तीसरी रिपोर्ट भारतीय महानगरों में महिला उद्यमियों पर केंद्रित थी, जिसमें उन मुख्य क्षेत्रों की पहचान की गई थी जहां उन्हें व्यापार को सक्षम बनाने के लिए समर्थन और अवसरों की आवश्यकता होती है।

हकदर्शक द्वारा किये गये वर्तमान अध्ययन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के ग्रामीण जिलों में 411 महिला उद्यमियों का सर्वे किया गया, जिनमें से 402 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्य थीं। इसे पांच फोकस ग्रुप डिस्कशन (एफजीडी) से प्राप्त गुणात्मक जानकारी से सपोर्ट मिला, और इससे उनके अनुभवों समझने में काफी मदद मिली।

वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया- सर्वे में पता चला है कि गांवों में रहने वाली महिला उद्यमियों के व्यवहार में काफी बदलाव हो रहा है और वे वित्तीय स्वतंत्रता का रुख कर रही हैं। 18% महिलाएं अकेले, जबकि 47% अपने पति के साथ मिलकर वित्तीय निर्णय लेती हैं। 24% ने कहा कि उनके पति ही सारे वित्तीय निर्णय लेते हैं, और बाकी 11% अपने परिवार के सदस्यों से सलाह लेती हैं। यह दिखाता है कि प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी पारंपरिक नियम बने हुए हैं।

समझदारी भरी बचत की आदतें- लगभग 90% महिलाएं अपनी आय का कुछ हिस्सा जरूर बचाती हैं। इनमें से 57% अपनी मासिक आय का 20% से कम बचाती हैं, जबकि 33त्न महिलाएं 20% से 50% के बीच बचाती हैं। 5% अपनी आय का 50% से ज्यादा बचाती हैं, जबकि बाकी महिलाओं को यह नहीं पता कि वे कितना बचाती हैं, इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़ी जानकारियां देने और योजना बनाने की जरूरत का पता चलता है। बचत करने वालों में से, 56% बैंक में जमा करते हैं, 39% स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की बचत योजनाओं में भाग लेते हैं, और 18त्न बिना निवेश किए अपने पास कैश रखते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी), और सोने में निवेश ज्यादा कॉमन नहीं है, केवल 11% और 5% महिलाएं इन तरीकों को चुनती हैं। लगभग 64% महिलाएं अपने व्यवसाय के मुनाफे को फिर से अपने व्यवसाय में लगाती हैं, जो व्यवसाय के विस्तार और विकास की ओर मजबूत रुझान दिखाता है।

बैंकिंग प्राथमिकताएं- सर्वे में शामिल ग्रामीण महिला उद्यमी बैंकिंग के पारंपरिक तरीकों को पसंद करती हैं। 89% महिलाएं आमने-सामने बैंकिंग को पसंद करती हैं, जो डिजिटल सेवाओं की बढ़ती उपलब्धता के बावजूद पारंपरिक चैनलों पर उनकी निर्भरता को दर्शाता है। 99% महिलाओं के पास बैंक खाता होने के बावजूद, केवल 38त्न अपने व्यवसाय के लिए, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करती हैं। इन डिजिटल उपयोगकर्ताओं में से, 70% केवल यूपीआई का उपयोग करती हैं, 20% यूपीआई के साथ मोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करती हैं, और 10% केवल मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग या अन्य डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करती हैं। ये आंकड़े डिजिटल वित्तीय जानकारी और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने का एक बड़ा अवसर दिखाते हैं, जिससे ग्रामीण उद्यमी डिजिटल बैंकिंग के लाभों का पूरा तरह से उपयोग कर सकें।

ऋण की सुविधाओं तक पहुंच- सर्वे के अनुसार, 36% ग्रामीण महिला उद्यमियों ने अपनी निजी बचत से बिजनेस शुरू किया, जबकि 25% ने लोन पर भरोसा किया। इसके अलावा, 29% ने अपनी बचत को लोन के साथ मिलाकर या परिवार और दोस्तों से उधार लेकर, औपचारिक और अनौपचारिक दोनों वित्तीय स्रोतों का उपयोग किया। विशेष रूप से, इनमें से 9% महिलाओं के लिए, परिवार और दोस्त फंडिंग का प्राथमिक स्रोत थे, जो छोटे व्यवसायों का समर्थन करने में सोशल नेटवर्क की भूमिका पर जोर देते हैं।

लगभग 80% ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और/या दूसरी लेंडिंग चैनलों के संयोजन के माध्यम से धन प्राप्त किया, जबकि 43% केवल एसएचजी से लोन पर निर्भर थे। 15% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने सरकारी ऋण योजनाओं का उपयोग किया है। ये निष्कर्ष ग्रामीण महिला उद्यमियों के बीच इन योजनाओं की पहुंच और जागरूकता को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं।

विकास की आकांक्षाएं- अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए, ग्रामीण उद्यमी उद्योग और सरकार (72%) से समर्थन, डिजिटलीकरण में सहायता (39%), व्यावसायिक मार्गदर्शन (35%) और नेटवर्किंग के अवसरों (32%) की तलाश करती हैं। फोकस समूहों ने उत्तरदाताओं के बीच सामुदायिक विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का खुलासा किया, जिन्होंने अपने गांवों में अन्य महिलाओं के लिए नौकरियां पैदा करने की आकांक्षा व्यक्त की।

डीबीएस बैंक इंडिया के ग्रुप स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और हेड अजमत हबीबुल्ला ने कहा, 2024 के विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, ग्रामीण भारत में महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों में 22 से 27 मिलियन लोग काम करते हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है। इन उद्यमियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को समझना और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सहायता की पहचान करना आवश्यक है। 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ में हमारी नई रिपोर्ट महिला उद्यमिता में तेजी लाने और विकास की बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अहम सूचना प्रदान करती है। हमें हकदर्शक के सहयोग से इस रिपोर्ट को लॉन्च करने पर गर्व है। यह उद्देश्य से चलने वाला एक संगठन है जो इस क्षेत्र के लिए सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सभी की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाता है।

हकदर्शक के को-फाउंडर और सीईओ अनिकेत डोएगर ने कहा कि हकदर्शक में, हम ग्रामीण महिला उद्यमियों के साथ मिलकर काम करते हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हम सिर्फ उन्हें वित्तीय सेवाओं और योजनाओं तक पहुंचने में मदद नहीं करते, बल्कि उनकी वित्तीय समझ, कौशल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। इन मुश्किलों को समझते हुए, हमने डीबीएस बैंक इंडिया के साथ मिलकर 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ के तहत इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। हमारा मकसद महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना और जानकारी की कमी को दूर करने वाले समाधान बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिले, जिससे एक बेहतर अर्थव्यवस्था बन सके।

डीबीएस फाउंडेशन (डीबीएसएफ) ने समय-समय पर हकदर्शक की मदद की है। 2018 में, डीबीएसएफ ने हकदर्शक को 'डीबीएसएफ बिजनेस फॉर इम्पैक्ट ग्रांट' दिया और 2020 में, 'डीबीएसएफ बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन इम्पैक्टमेंट ग्रांट' दिया गया। 2023 में, हकदर्शक भारत में डीबीएसएफ का कार्यक्रम भागीदार बना। उन्होंने कमजोर समुदायों के लोगों में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने का काम किया, जिससे अब तक पूरे देश में 206,400 से अधिक लोगों को फायदा हुआ है।

फरवरी 2025 में, डीबीएस फाउंडेशन ने ग्रामीण भारत पर फोकस करते हुए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए हकदर्शक के साथ एक नया कार्यक्रम शुरू किया। 5.1 मिलियन सिंगापुर डॉलर के वित्त पोषण के साथ, इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में 50,000 नैनो उद्यमियों सहित 500,000 लाभार्थियों के लिए वित्तीय लचीलेपन और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करना है।

क्लब महिंद्रा जंजैहली में हिमाचल की अछूती खूबसूरती का आनंद लें

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की शांतिपूर्ण जंजैहली घाटी में बसा क्लब महिंद्रा जंजैहली रिज़ॉर्ट, मंडी में आपको मिलता है सुकून, रोमांच और सांस्कृतिक आकर्षण का एक ऐसा अनूठा मेल, जो बरसों-बरस याद रहता है। बर्फ से ढके पहाड़ों, हरे-भरे सेब के बागों और सुंदर दृश्यों से घिरा यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और शांति की तलाश करने वालों के लिए एक आदर्श स्थान है। यह रिज़ॉर्ट सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है और शिमला, मंडी, मनाली और चंडीगढ़ से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है।

सबसे छोटा मार्ग चंडीगढ़-मनाली हाईवे के माध्यम से है, जहाँ से ददौर चौक पर सड़क जंजैहली की ओर मुड़ती है। क्लब महिंद्रा जंजैहली 1.7 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें 24 सुंदर कमरे हैं, जिनमें स्टूडियो रूम, एक एक-बेडरूम यूनिट, एक दो-बेडरूम यूनिट और तीन कॉटेज ब्लॉक शामिल हैं। लकड़ी की पारंपरिक वास्तुकला से बनाए गए ये कमरे प्राकृतिक इन्सुलेशन प्रदान करते हैं, जो सर्दियों में गर्मी और गर्मियों में ठंडक बनाए रखते हैं। मेहमान सुबह उठते ही पहाड़ों और रिज़ॉर्ट के भीतर बहती छोटी नदी की मनमोहक दृश्यावली का आनंद लेते हैं। रिज़ॉर्ट तक पहुँचने के लिए एक पुल को पार करना पड़ता है, जो दृश्य अनुभव को और भी सुंदर बनाता है। कमरों की बालकनी से शानदार दृश्य दिखाई देते हैं और यहाँ आगमन पर मेहमानों का आरती, तिलक और गरम सेब पेय के साथ स्वागत किया जाता है।

आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रखने वालों के लिए यहाँ प्रसिद्ध शिकारी माता मंदिर है। इस मंदिर की यात्रा अवश्य करें। यहाँ से हिमाचल के अद्भुत परिदृश्य के व्यापक दृश्य दिखाई देते हैं, जो यात्रा को दिव्य और मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

क्लब महिंद्रा के विभिन्न हिमाचली स्थलों की यात्रा करते हुए, चंडीगढ़ हवाई अड्डे से कंडाघाट, नालदेहरा, जंजैहली और अंत में मनाली की सुंदर यात्रा का आनंद लिया जा सकता है। हर स्थान अपनी अनूठी खूबसूरती और विशिष्टता प्रदान करता है। दिसंबर से मार्च के बीच, जंजैहली बर्फीले परिदृश्य में बदल जाता है, जहाँ मेहमान बर्फीली गतिविधियों, ट्रेकिंग और डे-कैंपिंग का आनंद ले सकते हैं।

रिज़ॉर्ट के मल्टी-कुजिन रेस्टोरेंट में 44 मेहमानों के लिए इनडोर और आउटडोर भोजन की सुविधा है। मेनू में पारंपरिक हिमाचली व्यंजनों का एक शानदार चयन है, जिसमें सिड्डू, बबरू - काले चने के पेस्ट से भरी और पूरी तरह से तली हुई कचौरी का हिमाचली संस्करण - चना मदरा, सेपू बड़ी, बूंदी का मीठा, कद्दू का खट्टा, माह की दाल, मदरा, कढ़ी, खट्टे चन्ने और झोल कुल्लू ट्राउट, एक ताजा ट्राउट जिसे स्थानीय मसालों के साथ मैरीनेट किया गया है और पूरी तरह से ग्रिल किया गया है।

इसके अलावा, मेहमान प्रसिद्ध मंडियाली धाम का आनंद ले सकते हैं, जो विशेष अवसरों पर परोसा जाने वाला पारंपरिक भोज है। मेहमान अलाव क्षेत्र के पास लाइव बारबेक्यू सेशन का भी आनंद ले सकते हैं, जो खाने के शानदार अनुभव को और भी बढ़ा देता है।

इसके अलावा, पुल पर हाई टी भी परोसी जाती है, जो मेहमानों के लिए एक शानदार नज़ारा पेश करती है, साथ ही पारंपरिक हिमाचली नाटी नृत्य और स्थानीय प्रदर्शन भी होते हैं।

रिज़ॉर्ट में एक बैंक्वेट हॉल भी है, जिसमें 100 लोग समा सकते हैं, जो समारोहों के लिए आदर्श स्थान है। हैप्पी हब गतिविधि केंद्र में स्नूकर, बोर्ड गेम्स, ड्राइंग क्लास और एयर हॉकी जैसे इनडोर खेल उपलब्ध हैं। बाहरी गतिविधियों में साइक्लिंग, एयर गन शूटिंग, तीरंदाजी, ट्रेकिंग, गाँव भ्रमण और पक्षी देखने का आनंद लिया जा सकता है। नजदीकी आकर्षणों में कामरूनाग मंदिर, पराशर और रिवालसर झील, जलोरी दर्रा और प्रसिद्ध भगवान शिव मंदिर (बुद्ध केदार) शामिल हैं। इसके अलावा, महाभारत युग से जुड़ी ऐतिहासिक पांडव शिला भी दर्शनीय है। गाँव भ्रमण स्थानीय जीवनशैली का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करता है, जिसमें गाँववासियों के साथ संवाद, पशुपालन की जानकारी और मौसमी रूप से सामान के भंडारण के तरीके देखने का अवसर मिलता है। रोमांच प्रेमियों के लिए, रिज़ॉर्ट पूर्ण-दिवसीय ट्रेक्स के साथ टेंट में रहने का अनुभव प्रदान करता है, जो प्रियजनों के साथ रोमांचक छुट्टी के लिए एक आदर्श विकल्प है। अन्य ट्रेकिंग विकल्पों में बुद्ध केदार, तुंगासी किला और शत्ताधार हिल मंदिर शामिल हैं।

सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, क्लब महिंद्रा जंजैहली पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं का पालन करता है।

रिज़ॉर्ट एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग नहीं करता है और ऊर्जा दक्ष समाधानों को अपनाता है, जिसमें ऊर्जा संरक्षण के लिए पराबैंगनी प्रकाश आधारित थर्मोडायनामिक तकनीक शामिल है। आकर्षक परिदृश्य, रोचक गतिविधियाँ और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, क्लब महिंद्रा जंजैहली हिमाचल प्रदेश के हृदय में छुट्टियाँ बिताने का एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर जारी की महिला उद्यमियों पर रिपोर्ट

जयपुर। डीबीएस बैंक इंडिया ने हकदर्शक के साथ मिलकर भारत के गांवों में महिला उद्यमियों की अभिलाषाओं, चुनौतियों और वित्तीय व्यवहार पर एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट 2024 में डीबीएस बैंक इंडिया द्वारा शुरू किए गए 'वुमन एंड फाइनेंस' अध्ययन पर आधारित है। इसमें तीन रिपोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं और फाइनेंस को लेकर उनके नजरिये से संबंधित अनोखी जानकारी देती है।

डीबीएस बैंक इंडिया के ग्रुप स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और हेड अज़मत हबीबुल्ला ने कहा, 'वुमन एंड फाइनेंस' सीरीज़ में हमारी नई रिपोर्ट महिला उद्यमिता में तेजी लाने और विकास की बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए अहम सूचना प्रदान करती है। हकदर्शक के को-फाउंडर और सीईओ अनिकेत डोएगर ने कहा कि हमारा मकसद महत्वपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना और जानकारी की कमी को दूर करने वाले समाधान बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिले, जिससे एक बेहतर अर्थव्यवस्था बन सके।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स पेश करने जा रहा है एक अनोखा अभियान 'साउंड ऑफ कलर'

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स कंपनी और जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, 'साउंड ऑफ कलर' नामक एक अनोखा अभियान पेश करने जा रहा है। अपनी तरह के इस अनूठे और नवीन अभियान में संगीत और दृश्य कहानी का एक ऐसा अनोखा संयोजन पेश करते हैं, जहाँ रंग ध्वनि को प्रेरित करते हैं।

इस अभियान में एक-एक मिनट के संगीत वीडियो शामिल हैं, जिसमें प्रत्येक ट्रैक जेएसडब्ल्यू पेंट्स के पोर्टफोलियो में मौजूद एक विशिष्ट रंग का सार प्रस्तुत करता है। 'साउंड ऑफ कलर' अभियान के प्रत्येक ट्रैक को समकालीन स्वतंत्र कलाकारों द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, ताकि एक विशेष रंग से संबंधित भावनाओं को जागृत किया जा सके। यह पहली बार है कि जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने सोंगड्यू के साथ मिलकर यह अनूठा अभियान शुरू किया है, जो स्वतंत्र कलाकारों के लिए भारत का प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म है। अभियान पर टिप्पणी करते हुए जेएसडब्ल्यू पेंट्स के जाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, ए एस सुंदरसन ने कहा- देखा जाए तो 'साउंड ऑफ कलर' एक नया और रचनात्मक दृष्टिकोण है, जिसमें हम रंगों को अनुभव करने का नया तरीका प्रस्तुत करते हैं। यह संगीत के माध्यम से रंगों का अनुभव करने के बारे में है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के चीफ़ बिजनेस ऑफिसर, आशीष राय ने कहा कि जेएसडब्ल्यू पेंट्स में हमारा मानना है कि रंग सिर्फ एक दृश्य तत्व नहीं है - यह भावना, रचनात्मकता और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति है।

इस अभूतपूर्व पहल के माध्यम से, हम स्वतंत्र कलाकारों के साथ मिलकर रंगों की जीवंतता को संगीत की भावनात्मक शक्ति के साथ जोड़ रहे हैं।

एयर इंडिया ने शुरू किया प्रीमियम इकोनॉमी क्लास, किराया इकोनॉमी से मात्र 599 रुपये अधिक

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत की प्रमुख ग्लोबल एयरलाइन, एयर इंडिया ने पिछले तीन वर्षों में प्रीमियम सीट की बिक्री में दोगुनी वृद्धि के कारण अपनी प्रीमियम इकोनॉमी क्लास की पेशकश का विस्तार किया है। प्रीमियम यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, एयर इंडिया ने सीमित अवधि के लिए घरेलू उड़ानों पर स्टैंडर्ड इकोनॉमी किराए से 599 रुपये अधिक से शुरू होने वाले प्रीमियम इकोनॉमी किराए की पेशकश की है, जो मार्ग और मांग के अनुसार अलग-अलग कीमतों के साथ किफायती अपग्रेड की पेशकश करता है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है।

एयर इंडिया की प्रीमियम इकॉनमी पहले से कहीं ज़्यादा घरेलू मार्गों पर उपलब्ध है- भारत की एकमात्र एयरलाइन के रूप में, जो बिज़नेस और इकॉनमी क्लास के साथ प्रीमियम इकॉनमी की पेशकश करती है, एयर इंडिया 39 घरेलू मार्गों पर यह विकल्प प्रदान करती है, जिसमें साप्ताहिक 50,000 से ज़्यादा सीटें हैं। इनमें से लगभग 34,000 सीटें प्रमुख मेट्रो-टू-मेट्रो मार्गों पर उपलब्ध हैं। ये हैं -

- दिल्ली-मुंबई
- दिल्ली-बेंगलुरु
- दिल्ली-हैदराबाद
- मुंबई-बेंगलुरु
- मुंबई-हैदराबाद

27 पुराने ए320 को नए तीन-श्रेणी विन्यास के साथ रेट्रोफिट करने के बाद, एयर इंडिया प्रीमियम इकॉनमी सीटों को 30त्न तक बढ़ाएगी, जो साप्ताहिक 65,000 सीटों से ज़्यादा होगी। रेट्रोफिट किए गए विमान में सभी केबिनों में बिल्कुल नई सीटें हैं और यह पूरे भारत में और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक रूट कवरेज का विस्तार करना जारी रखेगा।

- एयर इंडिया ने अपने 27 ए320 विमानों का नवीनीकरण किया है, जिसमें तीन-क्लास कॉन्फ़िगरेशन (इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास) शामिल है।

- नवीनीकरण के बाद प्रीमियम इकोनॉमी सीटों में 30% की वृद्धि होगी, जिससे साप्ताहिक सीटों की संख्या 65,000 से अधिक हो जाएगी।

- इन विमानों में सभी केबिनों में नई सीटें और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध है।

प्रीमियम इकोनॉमी क्लास के फायदे- प्रीमियम इकोनॉमी क्लास खासतौर पर उन यात्रियों के लिए डिज़ाइन की गई है जो किफायती लग्जरी अनुभव की तलाश में हैं। इसमें निम्नलिखित सुविधाएं शामिल हैं-

- **विशेष सीट चयन-** पूरे केबिन में अपनी पसंदीदा सीट चुनने की सुविधा।
- प्राथमिकता चेक-इन, बोर्डिंग और बैगेज हैंडलिंग।
- 32-इंच सीट पिच और 4-इंच रिक्लाइन के साथ अतिरिक्त लेगरूम।
- उत्तम सीट अपहोल्स्ट्री और आरामदायक सीटें।
- प्रीमियम चाइनावेयर में गर्म भोजन सहित एक बेहतर डाइनिंग अनुभव। एयर इंडिया अब अपने पूरे बेड़े में (अपने ए350 और उन्नत बी777 विमानों द्वारा संचालित उड़ानों को छोड़कर) विस्टास्ट्रीम की पेशकश कर रही है, जिसके तहत मेहमानों को उनके व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर निःशुल्क वायरलेस इनफ्लाइट मनोरंजन की सुविधा दी जा रही है, जिसमें 1,000 घंटे से अधिक की सामग्री से युक्त एक समृद्ध मनोरंजन लाइब्रेरी है।

अंबुजा सीमेंट्स ने चंद्रपुर में बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों से निपटने के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य आंदोलन को आगे बढ़ाया

महाराष्ट्र, एजेंसी। विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स, उच्च रक्तचाप और मधुमेह सहित बढ़ती गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) से निपटने के लिए अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से चंद्रपुर में एक स्वास्थ्य आंदोलन चला रही है।

स्क्रीनिंग, जोखिम आकलन, पोषण जागरूकता और फिटनेस कार्यक्रमों के माध्यम से, इस पहल ने 20 से अधिक गांवों और 11 स्वास्थ्य केंद्रों को प्रभावित किया है, जिसमें सखियों (सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों) और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्थायी व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया गया है।

चंद्रपुर में विनोद थमके, जो कभी अपने उच्च रक्तचाप के जोखिम से अनजान थे, ने सीएसआर टीम की सहायता से अपनी जीवनशैली बदल ली है।

गांव में स्क्रीनिंग कैंप में भाग लेने और व्यक्तिगत परामर्श प्राप्त करने के बाद, वे पैदल चलने वाले समूहों में शामिल हो गए और स्वस्थ खान-पान की आदतें अपना लीं, जिससे उनका रक्तचाप स्थिर हो गया और ऊर्जा का स्तर बेहतर हो गया।

इसी प्रकार के हस्तक्षेपों - जिनमें वार्षिक जांच, रसोई बागवानी कार्यक्रम, खुले में जिम और तंबाकू छोड़ने की पहल शामिल हैं - ने उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में मदद की है, जिससे निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई और निवारक देखभाल सुनिश्चित हुई है।

अंबुजा सीमेंट्स की सीएसआर टीम एनसीडी की रोकथाम और प्रबंधन दोनों को संबोधित करके ग्रामीण महाराष्ट्र में एक स्थायी स्वास्थ्य आंदोलन बना रही है।

स्क्रीनिंग, प्रारंभिक पहचान और जीवनशैली हस्तक्षेप में निरंतर प्रयासों के माध्यम से, कंपनी स्वस्थ समुदायों को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर जीवनशैली संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेमंड लिनन ने आरामदायक गर्मियों के लिए अपना नया लेनिन कैंपेन का किया अनावरण

मुंबई, एजेंसी। गर्मियां नजदीक आने के साथ ही रेमंड लाइफस्टाइल ने रेमंड लिनन के लिए अपना नया कैंपेन शुरू किया है - यह संग्रह गर्मी से राहत के लिए स्टाइल, आराम और शान का जश्न मनाएगा।

भारतीय मेन्सवियर सेगमेंट में लिनन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, ऐसे में रेमंड लिनन प्रीमियम विकल्प के रूप में खड़ा है - जो गुणवत्ता, आराम और परिष्कृत शैली का प्रतीक है।

रेमंड लिनन एक आरामदायक लेकिन परिष्कृत ग्रीष्मकालीन कपड़ों के कलेक्शन के लिए बेंचमार्क स्थापित करता है। सचेत जीवन जीने पर जोर देते हुए, रेमंड उपभोक्ताओं को लिनन की सादगीपूर्ण लग्जरी को अपनाने के लिए आमंत्रित करता है, जहां रोजमर्रा की शान में शैली शांति से मिलती है।

गर्मियों की शानदार पृष्ठभूमि पर आधारित यह डिजिटल कैंपेन, एक ऐसी कहानी के माध्यम से रेमंड लिनन की भावना को जीवंत करता है, जो आज के उपभोक्ताओं के साथ प्रतिध्वनित होती है - साझा क्षणों और रिश्तों के माध्यम से विश्राम, बंधन और आत्म-अभिव्यक्ति की एक स्तुति।

यह कलेक्शन खूबसूरत प्रिंट, सूक्ष्म बनावट और सहज सिल्हूट के साथ गर्मियों की शैली को फिर से परिभाषित करता है।

विज्ञापन फिल्म में दिखाए गए इस रेंज में क्लासिक स्ट्राइप्स, सुखदायक पेस्टल और जटिल पैटर्न हैं, जो हर मूड और अवसर के लिए एकदम सही हैं।

तेज रफ्तार दुनिया में, रेमंड का नवीनतम लिनन संग्रह धीमा होने और प्रकृति के साथ फिर से जुड़ने की कला का जश्न मनाता है।

शांत परिदृश्यों से प्रेरित, अभियान के दृश्य- हरे-भरे जंगल, शांत मछली पकड़ने के दृश्य और शांतिपूर्ण सैर-लिनन के सहज आराम और सांस लेने की क्षमता को उजागर करते हैं। रेमंड लिनन कैंपेन को कई प्लेटफार्मों पर शुरू किया गया है।

मुथूट फाइनेंस का स्वर्ण ऋण एयूएम पहुंचा रु.1 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर

कोच्चि, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी स्वर्ण ऋण एनबीएफसी, मुथूट फाइनेंस ने 14 मार्च, 2025 तक स्वर्ण ऋण एयूएम (प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति) के लिहाज़ से रु.1 लाख करोड़ के स्तर को पार कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुथूट फाइनेंस इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, स्वर्ण ऋण क्षेत्र में अपना प्रमुख नेतृत्व बनाए हुए है। कंपनी के पास इस उद्योग की अन्य इकाइयों की तुलना में कहीं अधिक बाज़ार हिस्सेदारी है, जिससे इसके उच्च पैमाने और बाज़ार में विश्वसनीयता रेखांकित होती है। यह उपलब्धि स्वर्ण ऋण की मज़बूत मांग के बीच हासिल हुई, क्योंकि फिनटेक लेंडिंग, कोलैटरल के बगैर ऋण (अनसिक्योर्ड लोन) और माइक्रोफाइनेंस सहित अन्य स्त्रोतों से ऋण उपलब्धता हाल के महीनों में कम हुई है। ग्राहकों के अपनी वित्तीय आवश्यकताओं के लिए स्वर्ण ऋण का रुख करने के बीच, मुथूट फाइनेंस एक विश्वसनीय और पसंदीदा विकल्प बना हुआ है, जो इस क्षेत्र में इसके नेतृत्व की स्थिति को मज़बूत करता है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक, जॉर्ज अलेक्ज़ेंडर मुथूट ने इस उपलब्धि के बारे में कहा- स्वर्ण ऋण एयूएम का ?1 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंचना नवोन्मेष, ग्राहक पर विशेष ध्यान और वित्तीय समावेश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे ग्राहकों के अटूट विश्वास, हमारे निवेशकों, बैंकिंग भागीदारों तथा नियामकों के समर्थन और हमारे कर्मचारियों के अथक समर्पण के बगैर इस उपलब्धि को हासिल करना संभव नहीं होता। कंपनी ने वित्त वर्ष '25 की तीसरी तिमाही के दौरान साल-दर-साल के आधार पर 33% की बढ़ोतरी के साथ रु.1,363 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि शुद्ध ब्याज आय साल-दर-साल 42.8% बढ़कर ?2,721.4 करोड़ हो गई।

कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने आधुनिक हीट सील टेक्नोलॉजी के साथ हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोस्मो फर्स्ट की 100 फीसदी सब्सिडरी तथा अडहेसिव, मास्टरबैचेज़ एवं कोटिंग सामग्री की रेंज के लिए वन-स्टॉप समाधान कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने अपने आधुनिक कोसील-601 हीट सील कोटिंग सोल्युशन के लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी की हीट सील कोटिंग टेक्नोलॉजी ने मार्केट में शानदार परफोर्मेन्स दिया है और विभिन्न प्रकार के तापमान की रेंज पर उद्योग जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

हाल ही में पेश किए परफोर्मेन्स डेटा के अनुसार कोसील-601 मार्केट में मौजूद अन्य विकल्पों की तुलना में शानदार सीलिंग क्षमता देते हैं, खासतौर पर 120-160 डिग्री सेल्सियस तापमान रेंज में इनका प्रदर्शन बेहतरीन है। इस प्रोडक्ट ने 2-प्लाई और 3-प्लाई एलुमिनियम फोइल लैमिनेटेड संरचनाओं में उत्कृष्ट बहुमुखी प्रदर्शन किया है, ऐसे में ये विभिन्न प्रकार के पैकेजिंग ऐप्लीकेशन्स के लिए अनुकूल हैं। मजबूत वित्तीय प्रदर्शन तथा उत्कृष्ट तकनीकी विनिर्देशनों के साथ अपने आधुनिक दृष्टिकोण के चलते कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने पिछले साल के दौरान सेल्स में 60 फीसदी बढ़ोतरी (दिसम्बर 2024 तक) दर्ज की है और कंपनी का म्ठप्ज्क। भी उच्च स्तर पर है।

राज शर्मा, बिज़नेस हैड, कोस्मो स्पेशलटी कैमिकल्स ने कहा, "हमारा नया प्रोडक्ट कोसील-601 हीट सील कोटिंग टेक्नोलॉजी में नया इनोवेशन है। खासतौर पर हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग वातावरण में प्रोडक्ट का शानदार परफोर्मेन्स इसे हमारे उपभोक्ताओं के अनुकूल बनाता है। हमारे योगदान मार्जिन में प्रभावशाली बढ़ोतरी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट पैकेजिंग समाधान उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। निरंतर इनोवेट करते हुए हम ऐसे समाधान विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं जो संचालन की क्षमता के साथ-साथ सस्टेनेबिलिटी को भी बनाए रखें।

केसील- 601 कोटिंग के कई फायदे हैं, इसका रेडी-टू-यूज़ फॉर्मूला तुरंत ऐप्लीकेशन के लिए अनुकूल है, एलुमिनियम फोइल लेमिनेट संरचना के लिए बेहतरीन अडहेसिव की तरह काम करता है, 120-140 डिग्री सेल्सियस में अनुकूल सीलिंग परफोर्मेन्स देता है, ब्लॉक-फ्री फॉर्मूला के साथ कम फ्रिक्शन देता है, हाई-स्पीड मैनुफैक्चरिंग के लिए बेहतर अनुकूलनशील तथा पानी एवं तेल के लिए प्रतिरोधी है।

प्रोडक्ट को 2-प्लाई संरचनाओं (45-60 GSM Paper/6.35-9μ Foil/HSL coating) और 3-प्लाई संरचनाओं (45-60 GSM Paper/10-12μ PET/6.35-9μ Foil/HSL coating) दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है, ऐसे में ये विभिन्न प्रकार की पैकेजिंग संबंधी ज़रूरतों के लिए परफेक्ट है।

हत्या के विरोध में धरना दिया, खुद हत्यारा निकला

अवैध संबंधों का पता चलने पर महिला के सिर पर चोट मारकर किया था मर्डर

बीकानेर, 18 मार्च। अवैध संबंधों को छिपाने के लिए एक युवक ने पहले महिला की हत्या की और इसके बाद हत्या के विरोध में खुद ही पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी के आगे धरने पर बैठ गया। पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए युवक को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। उसने पुलिस के सामने स्वीकार किया सिर पर भारी चीज से वार करके पहले हत्या की और बाद में शव को जलाने का भरसक प्रयास किया। पुलिस की गिरफ्त में मुख्य आरोपी। मुक्ता प्रसाद थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि 7 मार्च को मांगीलाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पत्नी का शव घर में अध जला मिला है। उसकी पत्नी मनीषा का शव देखकर पुलिस को शक हो गया था कि किसी ने हत्या की है। घटना स्थल पर एक दरवाजा खुला था, वहीं से पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करने के लिए घटनास्थल के आस-पास व बीकानेर से आने जाने के रास्ते पर करीब 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए तथा घटनास्थल से तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। घटना स्थल के आस-पास डोर-टू-डोर सर्वे कर करीब 300 लोगों से पूछताछ की व पुलिस टीमों द्वारा महिला के शव मिलने वाले घटनास्थल के पास लगातार सात दिनों तक दिन रात उस रूट से आने जाने वाले करीब 500 लोगों से जानकारी जुटाई। बीकानेर शहर में रहने वाले संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। कड़ी से कड़ी जोड़कर जघन्य हत्याकांड में शामिल आरोपी को चिह्नित कर आरोपी की तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गोपाल कुम्हार ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसके मृतका की जेठानी व चचेरी बहिन सुमन के साथ पिछले करीब एक साल से अवैध संबंध थे। इसका पता को कुछ समय पहले मृतका को लगा। उसने विरोध किया। आरोपी गोपाल कुम्हार व उसकी प्रेमिका सुमन ने मृतका की हत्या करने का प्लान किया। इसके लिए दोनों ने कई वेब सीरीज व क्राइम एपिसोड देखे। आरोपी गोपाल कुम्हार को उसकी प्रेमिका ने मृतका के घर की सारी जानकारियां उपलब्ध करवाई। मृतका कब कब घर अकेली रहती है। हत्या करने से दो दिन पूर्व भी आरोपी ने घटनास्थल पर आकर अपनी प्रेमिका के साथ मृतका के घर की रेकी की। सात मार्च को आरोपी ने मृतका के घर जाकर उसको विश्वास में लिया। कॉलोनी में कोई काम से आने का बताकर मृतका के घर पर बैठकर चाय पी। मृतका के घरेलू कार्य के दौरान धोखे से उसके सिर पर किसी भारी हथियार से वार कर गंभीर चोटें मारी। इतना जोर से मारा कि उसकी मौत हो गई। मृतका की लाश पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर जला दी। साक्ष्य नष्ट करने के भरसक प्रयास किये। घटना के अगले दिन भी आरोपी मृतका की हत्या को लेकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी के आगे धरना में शामिल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में गोपाल कुम्हार पुत्र आसुराम कुम्हार उम्र 41 साल निवासी वॉर्ड नम्बर 20 नयाबास गोशाला के पास बीदासर चूरू को गिरफ्तार किया है। जबकि सुमन पत्नी मुनीराम जाति जाट निवासी झाड़ेली हाल जेबी कोलोनी बीकानेर को निरुद्ध किया है।

बेटे की जगह बेटी हुई तो मां ने मार डाला

झुंझुनूं , 18 मार्च। झुंझुनूं में बेटा नहीं हुआ तो मां ने 17 दिन की बेटी की हत्या कर दी। मां ने मासूम को पानी के टैंक में फेंककर ढक्कन बंद कर दिया। घरवालों ने महिला से कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गई। हत्या की बात स्वीकार करते हुए बोली- बेटा होना चाहिए था... ये क्यों आ गई? डीएसपी वीरेंद्र कुमार ने बताया- घटना झुंझुनूं के वार्ड 53 नयाबास में रविवार की सुबह हुई थी। पंकज सैनी ने पत्नी निशा उर्फ आचकी देवी के खिलाफ बेटी की हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। आरोपी महिला को आज दोपहर 12 बजे गिरफ्तार कर लिया है। तस्वीर 3 मार्च की है। हॉस्पिटल से मां- बेटी घर आई तो परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया था। थाना प्रभारी नारायणसिंह कविया ने बताया- नयाबास निवासी पंकज सैनी के परिवार के सभी सदस्य रविवार सुबह खेत पर गए थे। घर पर सिर्फ निशा उर्फ आचकी देवी, दो साल की बेटी नाहिरा और 17 दिन पहले जन्मी मासूम सोनिया थी। सुबह करीब 9 बजे निशा ने अपने जेठ अनिल सैनी को कॉल कर बताया कि सोनिया गायब है और कोई उसे उठाकर ले गया। यह सुनते ही परिवार के लोग घबराकर घर पहुंचे और सोनिया को ढूंढना शुरू किया।

जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने घर के अंदर बने पानी के टैंक का ढक्कन हटाकर देखा। वहां मासूम सोनिया पानी में मिली। उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में परिजनों ने इसे दुर्घटना माना, लेकिन पुलिस को घटनास्थल की स्थिति देखकर शक हुआ। जांच में सामने आया कि घटना के समय घर के मुख्य दरवाजे की कुंदी बाहर से बंद थी। जिसे निशा के ससुर रामप्रताप खेत पर जाते समय लगाकर गए थे। 17 दिन की मासूम चारपाई से गिरकर अपने आप टैंक तक नहीं जा सकती थी। टैंक का ढक्कन भी बंद था, जिससे कोई बाहरी व्यक्ति अंदर घुसकर बच्ची को पानी में नहीं डाल सकता था। घर की चारदीवारी ऊंची थी, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति का अंदर आना मुश्किल था। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने निशा से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में निशा ने बताया कि वह बेटा चाहती थी, लेकिन लगातार दूसरी बार भी बेटी हो गई। इससे वह नाराज थी। इसी के कारण उसने 17 दिन की मासूम सोनिया को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। नयाबास निवासी पंकज सैनी और उसके भाई अनिल सैनी की शादी 7 साल पहले सूरजगढ़ की दो बहनों से हुई थी। पंकज सैनी के दो बेटियां हुई। जिनमें दो साल की नाहिरा और 17 दिन की सोनिया, जिसमें सोनिया की मौत हो चुकी है। अनिल सैनी के एक बेटा हिमांशु (5) और एक बेटी हिमांशी (डेढ़ साल) है। पुलिस के अनुसार- पंकज हलवाई है और खेती भी करता है

वीर तेजाजी जन्मस्थली खरनाल कमेटी के साथ मिलकर निरीक्षण

नागौर, 18 माच। सत्यवादी श्री वीर तेजाजी महाराज मंदिर नव निर्माण कार्य का अखिल भारतीय सत्यवती वीर तेजाजी जन्मस्थली खरनाल कमेटी के साथ मिलकर निरीक्षण किया और चर्चा की ताकि सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर निर्माण कार्य और गति से चल सके सत्यवादी वीर तेजाजी भगत जनों के भावनाओं के अनुसार भव्य मंदिर निर्माण कार्य हो इस मौके पर अखिल भारतीय वीर तेजाजी कमेटी के अध्यक्ष सुखराम जी खुडखुड़िया जी डॉ अजय सिंह चौटाला जी के प्रतिनिधि बिद्दू नैन कमेटी के कोषाध्यक्ष भंवर जी धोलिया कॉमेटी के सदस्य हरिराम जाजड़ा जी मौजूद रहे ।

दो तस्करों से 2450 नशीली गोलियां बरामद

हनुमानगढ, 18 मार्च। हनुमानगढ़ की रावतसर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में नशीली गोलियां बरामद की हैं।

पुलिस अधीक्षक अरशद अली के निर्देशन में चल रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। रावतसर पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। एसआई इमिचन्द सोलंकी के नेतृत्व में चेकिंग के दौरान चक 4 ए एम के पास एक कार को रोका गया। कार नंबर एचआर 26 सीजेड 4214 की तलाशी में 2,000 टेपेंटाडोल और 450 लोराजेपाम की गोलियां मिलीं। पुलिस ने मौके से वार्ड 32 निवासी ललित मोहन और वार्ड 14 निवासी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

थाना प्रभारी रामचन्द्र कस्वां ने बताया कि तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से नशीली दवाओं की खेप के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और तस्करों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर खतरनाक खेल

सिरोही, 18 मार्च। उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर यात्रियों की सुरक्षा दांव पर लग रही है। रोडवेज बस ड्राइवर नियमों की अनदेखी कर यात्रियों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। पिंडवाड़ा फोरलेन ब्रिज से भीलवाड़ा जाने के लिए वाहनों को 2 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। इस दूरी से बचने के लिए रोडवेज बस ड्राइवर डिवाइडर पार कर जा रहे हैं। कुछ ड्राइवर तो 3 किलोमीटर तक रॉन्ग साइड में बस चला रहे हैं। यह वही मार्ग है जहां कुछ महीने पहले एक जीप दुर्घटना में 8 लोगों की मौत हो गई थी। यहां छोटी-मोटी दुर्घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। हाल ही में एक रोडवेज बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। बस ड्राइवर ने परिचालक को उतारा और बिना किसी सावधानी के डिवाइडर पार किया।

उस समय पीछे कई कारें थीं और सामने से तेज रफ्तार में वाहन आ रहे थे। जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग ने इस स्थान को ब्लैक स्पॉट घोषित किया है। अधिकारियों को इस खतरनाक स्थिति की जानकारी है। फिर भी, अब तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इस कारण यात्रियों की जान जोखिम में डालने का सिलसिला जारी है।

यूपीएससी छात्र की संदिग्ध मौत का मामला

नीमकाथाना, 18 मार्च। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल में राजस्थान के भीलवाड़ा के यूपीएससी छात्र राजकुमार जाट की संदिग्ध मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नीमकाथाना में एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। बलवीर खैरवा के नेतृव में ज्ञापन सौंपा गया। बलवीर खैरवा ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक जयराज सिंह जड़ेजा और उनके बेटे गणेश जड़ेजा ने राजकुमार की हत्या की है। जड़ेजा के घर में उनके साथ निर्मम मारपीट की गई। ज्ञापन देने वालो ने चार प्रमुख मांगे रखी है। जिसमें जीरो एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई है। इस मामले को दुर्घटना बताया जा रहा है, जबकि जड़ेजा के घर का सीसीटीवी फुटेज नहीं दिखाया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार से सीबीआई जांच की मांग की गई है। पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की बात कही गई है। आरोपी पूर्व विधायक और उनके बेटे पर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। ज्ञापन देने के दौरान शाहरुख नेता, बलवीर खैरवा, रणजीत कुड़ी, दीपेंद्र दिवाच, राजेश बाजिया, मनोज सांई, अनिल काजला मौजूद रहे।

नीमकाथाना में अवैध बजरी परिवहन पर कार्रवाई

नीमकाथाना, 18 मार्च। महानिरीक्षक पुलिस के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज पाठक और सहायक पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। थानाधिकारी राजेश गजराज की अगुवाई में टीमों ने कस्बा नीमकाथाना में कार्रवाई की। सीआई राजेश गजराज ने बताया कि पुलिस ने राणासर तिराहे और नयाबास रोड से अवैध बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी। गिरफ्तार किए गए चालकों में महेश कुमार (31) और कैलाशचंद (28) शामिल हैं। महेश कुमार हरिपुरा, उदयपुरवाटी का रहने वाला है, जबकि कैलाशचंद ढाणी भादवा वाली, सराय, उदयपुरवाटी का निवासी है। दोनों चालकों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अवैध बजरी के संबंध में दोनों से पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

ज्वेलर के घर में घुसा बदमाश, पत्नी को बंधक बनाया

पाली, 18 मार्च। पाली में एक बदमाश ने ज्वेलर के घर में घुसकर लूट का प्रयास किया। उसने घर में अकेली ज्वेलर की पत्नी के सिर पर एयरगन तानकर धमकाया और जेवर-पैसे मांगे। इतना ही नहीं बदमाश महिला पर बैठ गया और उसका गला दबाने लगा। इसी बीच पड़ोस की एक महिला वहां आ गई, उसने बदमाश को देखा तो जोर से चिल्लाई। महिला की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग एकत्र हो गए और बदमाश को पकड़ लिया। मामला कोतवाली थाना इलाके की बापू नगर कॉलोनी का सोमवार सुबह 11.30 बजे का है। पाली से 10 किलोमीटर दूर हेमावास गांव में ज्वेलरी शॉप चलाने वाले कैलाश सोनी की पत्नी गुंजन घर में अकेली थी। पति दुकान पर थे और बच्चे स्कूल गए थे। इसी दौरान बदमाश प्रवीण सिंह घर पहुंचा। उसने कहा कि आपके पति को रुपए देने हैं और 500 के नोटों की गड्डी दिखाई। जैसे ही महिला ने गेट खोला, बदमाश धक्का देकर अंदर घुस गया। बदमाश ने महिला को नीचे गिराकर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। गहने और रुपए मांगते हुए जान से मारने की धमकी दी। एयरगन निकालकर डराने लगा। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए कहा कि यह नकली पिस्टल है, मैं नहीं डरती। शातिर बदमाश ने बच्चों के नाम लेकर भी धमकाया। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली कल्पना अपने बच्चों को खोजते हुए वहां पहुंची। उसने देखा कि बदमाश गुंजन पर बैठा है और एयरगन तान रखी है। कल्पना के चिल्लाने से मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो गए। बदमाश छत पर भागा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक मोहल्ले के लोगों ने बदमाश के हाथ बांध दिए थे और उसकी पिटाई कर रहे थे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

गौ रक्षकों का रामदेवरा में धरना जारी

रामदेवरा, 18 मार्च। रामदेवरा में गौ रक्षकों का धरना प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। यह धरना रविवार दोपहर से चल रहा है। प्रदर्शनकारी दूधिया गांव में एक गाय पर कुल्हाड़ी से हमला और दूसरी गाय को कुत्तों से कटवाने की घटना के विरोध में धरने पर बैठे हैं। घटना 13 मार्च की है, जब एक काश्तकार ने कथित तौर पर यह कृत्य किया। गौ रक्षक और स्थानीय ग्रामीण रामदेवरा के चाचा चौक पर धरने पर बैठ गए हैं। वे आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। रविवार शाम को पोकरण के एसडीएम प्रभजोतसिंह गिल ने धरना समाप्त करवाने का प्रयास किया। इस दौरान गौ रक्षकों और एसडीएम के बीच तीखी बहस हुई। धरना नेतृत्वकर्ता हेमंत महाराज ने आरोप लगाया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ दिया गया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शांति भंग के मामले में जमानत का प्रावधान है। हेमंत महाराज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि धारदार हथियार रखने वाले और मोर की हत्या करने वाले पर केवल शांतिभंग की धारा लगाना उचित नहीं है। गौ रक्षकों ने रामदेवरा थानाधिकारी पर समझौता करवाने का दबाव बनाने का आरोप भी लगाया है। इससे पहले रामदेवरा थानाधिकारी शंकर लाल और नायब तहसीलदार माधूदान ने भी धरना समाप्त करवाने का प्रयास किया था, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अडिग रहे। धरना स्थल पर गौ रक्षकों के ना मानने पर जब पोकरण एसडीएम उठ कर रवाना हुए तब भीड़ ने हो हल्ला किया। जिसके बाद पोकरण एसडीएम ने कहा कि रामदेवरा आके धरने पर बैठे लोगों से बात की है। लेकिन वो लोग मुद्दे पर नहीं आ रहे है इसलिए उनको में ये बात समझाना चाहता हु कि जिसने भी गलत किया है उसको सजा मिलेगी। मामले को कम्युलाइज ना करे। कोई भी हो अगर गाय को मारा है तो उसको सजा उतनी ही मिलेगी। उसके हिन्दू होने या गैर हिन्दू होने से सजा कम नहीं होगी। उन्होंने कहा कि देश में कानून का राज है किसी व्यक्ति का नहीं है। रामदेवरा में पिछले 18 घंटे से ग्रामीण आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठे है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस ने मामले की ठीक से जांच नहीं की और एक आरोपी को शान्ति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर इतिश्री कर ली। वहीं पुलिस पर गौ रक्षकों को फसाने के आरोप भी लगाए है। आज धरना स्थल पर कई बड़े नेताओ के पहुंचने की संभावना है। सोमवार सुबह तक लोग धरने पर बैठे है।

झुंझुनूं नगर परिषद के संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

झुंझुनूं , 18 मार्च। झुंझुनू नगर परिषद के संविदा (एजेंसी) कर्मियों ने कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। वेतन कटौती का विरोध किया गया। उनका चार महीने का वेतन भी बकाया है। इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने वेतन में कटौती का विरोध जताया है। पत्र में कर्मियों ने लिखा है कि उन्हें जून 2024 से 20,600 रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा था, लेकिन नवंबर 2025 में बिना किसी पूर्व सूचना के उनके वेतन में कटौती कर दी गई। उन्हें पुरा वेतन दिलाया जाए। कर्मचारियों को नवंबर 2024 का वेतन 15 मार्च 2025 को दिया गया है। वेतन मिला तब पता चला है कि उनका वेतन कम किया गया है। ज्ञापन में यह भी लिखा है कि उनका चार महीने का वेतन बकाया था, जिसमें से नवंबर का वेतन 15 मार्च 2025 को दिया गया।

फैंसी शॉप में फंदा लगाकर व्यापारी ने सुसाइड किया

पाली, 18 मार्च। पाली में फैंसी शॉप के मालिक में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी परिचितों और पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने बॉडी को उतारा और हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। मारवाड़ जंक्शन स।ह भारतसिंह रावत ने बताया- मारवाड़ जंक्शन के मुख्य बाजार स्थित गुर्जर बोर्डिंग मार्केट में फैंसी स्टोर चलाने वाले जगदीश सिंधी(64) ने रविवार शाम को अपनी शॉप में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त पत्नी गुरुद्वारे गई हुई थी। कॉर्नर की शॉप का एक शटर बंद था और दूसरा शटर आधा बंद था। पड़ोस के दुकानदार की नजर पड़ी तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मृतक की बॉडी मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाई। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन और परिचित बड़ी संख्या में हॉस्पिटल पहुंचे। बुजुर्ग की बॉडी देख परिजनों में चीख पुकार मच गई और उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि जगदीश अब इस दुनिया में नहीं रहे। सोमवार को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की।

जैसलमेर में सैलानियों को परेशान करते 2 लपके गिरफ्तार

जैसलमेर, 18 मार्च। जैसलमेर पुलिस ने ऑपरेशन वेलकम के तहत कार्रवाई करते हुए 2 लपकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों लपके सैलानियों का पीछा कर उनको अपनी होटलों में ले जाने के लिए परेशान कर रहे थे।

शहर कोतवाल प्रेमदान की टीम ने कार्रवाई करते हुए भाय खान, निवासी इसानियो का गांव हाबुर को पकड़ा। वहीं सम थानाधिकारी सुरजाराम की टीम ने मुबीन खान, निवासी सगरो की बस्ती सम को गिरफ्तार किया। दोनों सैलानियों को होटल व रिसोर्ट में ले जाने के लिए परेशान कर रहे थे। दोनों को पकड़कर थाने लाया गया जहां पर्यटन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। शहर कोतवाल सवाई सिंह ने बताया कि पर्यटन सीजन के आगाज के साथ ही शहर में सैलानियों कि आवक शुरू हो गई है। ऐसे में कमीशन पर अपनी होटलों में ले जाने के लिए लपके भी सक्रिय हो गए हैं। जैसलमेर पुलिस इनको लेकर ऑपरेशन वेलकम अभियान चला रही है और लगातार लपकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। एसएचओ सवाई सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस ने एक लपके को सैलानियों का पीछा कर उनको विजिटिंग कार्ड दिखाकर अपने रिसोर्ट में ला जाने के लिए परेशान करते देखा। पुलिस ने तुरंत ही युवक मुबीन खान, निवासी सगरो की बस्ती सम को गिरफ्तार किया।

मुबीन खान कमीशन के चक्कर में सैलानियों को रिसोर्ट में टैंट आदि दिलाता है। ऐसे में कई बार सैलानियों के साथ ठगी की घटना भी होती है। गौरतलब है कि जिले में पर्यटकों कि सुरक्षा को लेकर एसपी जैसलमेर के निर्देशन में ऑपरेशन वेलकम अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत एसपी सुधीर चौधरी द्वारा थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली जैसलमेर, सम एवं प्रभारी डीएसटी भीमराव को विशेष दिशा निर्देश दिए जाकर लपकों के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। इस अभियान के तहत पुलिस लगातार कार्रवाई करके सैलानियों को परेशान करने वाले लपकों को पकड़ती है।

होटल संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

सीकर, 18 मार्च। सीकर की खंडेला थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। होटल संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने और फायरिंग के मामले में फरार चल रहे बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब 5 महीने से ज्यादा समय से फरार था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी इंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि 6 अक्टूबर 2024 को कांवट कस्बे में श्याम होटल एंड रेस्टोरेंट के संचालक से 50 लाख की फिरौती मांगने और होटल मालिक पर फायरिंग के मामले में आरोपी विकास गुर्जर घटना के बाद से ही फरार था। जिसे आज नीमकाथाना कोतवाली पुलिस और खंडेला पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। यादव ने बताया कि घटना के बाद खंडेला पुलिस के द्वारा आरोपी की तलाश में कई बार दबिश दी गई। लेकिन आरोपी का पता नहीं चल पाया था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी नीमकाथाना शहर में घूम रहा है। ऐसे में खंडेला पुलिस और नीमकाथाना कोतवाली पुलिस ने दबिश देते हुए आरोपी विकास गुर्जर (21) पुत्र बद्रीप्रसाद गुर्जर निवासी हीरानगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खंडेला थाने के टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल है।

जूतों की दुकान में आग, देर रात की घटना, लाखों रुपए का सामान जलकर राख हुआ

बीकानेर, 18 मार्च। बीकानेर के केईएम रोड पर स्थित एक जूतों की दुकान में रविवार देर रात आग लग गई। आग से दुकान में रखे लाखों रुपए के जूते-चप्पल जलकर राख हो गए। आसपास के लोगों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सामान को बचाया नहीं जा सका। रविवार रात को दुकान बंद थी और इसमें शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग लगने के बाद लोगों ने दुकान से बाहर आता धुंआ देखकर दुकान मालिक को फोन किया। बाटा गली में स्थित संत शू स्टोर में लगी आग के बाद लोगों ने मालिक का इंतजार नहीं किया, बल्कि पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। जलते हुए सामान को बाहर निकालने की कोशिश भी की गई लेकिन आग इतनी फैल चुकी थी, किसी का पास जाना संभव नहीं हुआ। घटना के बाद कोटगेट पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। तब तक लाखों रुपए का सामान अंदर जल चुका था।

परिवारिक विवाद में लोहे के सरिए से हमला

हनुमानगढ, 18 मार्च। हनुमानगढ़ परिवारिक विवाद में भतीजे ने जानलेवा हमलाकर चाचा और चचेरे भाई-बहन को किया घायल। हनुमानगढ़ में एक गंभीर पारिवारिक विवाद सामने आया है। अल्फा कॉलोनी निवासी अंकित जैन (32) ने अपने चाचा गौरीशंकर (53) के घर में घुसकर लोहे के सरिए से हमला कर दिया। घटना रविवार सुबह करीब 8 बजे की है। आरोपी अंकित ने न केवल अपने चाचा गौरीशंकर पर, बल्कि उनके बेटे अमित और बेटी साक्षी पर भी हमला किया। हमले में अमित के सिर में गंभीर चोटें आई।

घर में घुसकर हथियारों से किया हमला, 8 नामजद सहित 15 अन्य लोगों पर केस, दो घायल

हनुमानगढ़, 18 मार्च। हनुमानगढ़ की ग्राम पंचायत दो केएनजे आबादी, आईटीआई बस्ती के एक घर में होली के दिन चल रहे कार्यक्रम के दौरान धारदार हथियारों व डंडों से लैस होकर घर में घुसे कुछ लोगों ने पूरे परिवार व कार्यक्रम में आए रिश्तेदारों पर हमला कर दिया। इनके साथ मारपीट की और रुपए छीन लिए। ईंट-पत्थर फेंककर तोडफ़ोड़ की। आस-पड़ोस के लोगों के आने पर हमलावर भाग गए। हमले में दो जने घायल हो गए। परिजनों ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। इस संबंध में जंक्शन पुलिस थाना में आठ नामजद व 10-15 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार अंगूरी देवी (62) पत्नी कृष्ण ओड निवासी वार्ड छह, आईटीआई बस्ती, ग्राम पंचायत दो केएनजे आबादी ने अपने लड़के राजू (34) के साथ थाना पहुंचकर लिखित रिपोर्ट पेश की कि 14 मार्च को उसके घर में होली के त्योहार पर कार्यक्रम रखा हुआ था। कार्यक्रम में उसके रिश्तेदार आए हुए थे। अपराह्न करीब 3.15 बजे किशन पुत्र मुंशी, सोनू पुत्र किशन, मोनू पुत्र किशन निवासी करतारपुरा, किशन का साला मंगल, बिट्टू निवासी सेक्टर नम्बर 12, जंक्शन, अरुण पुत्र रोहताश निवासी करतारपुरा, महेन्द्र पुत्र बिट्टू, बजरंग पुत्र बिट्टू ओड निवासी आईटीआई बस्ती एवं 10-15 अन्य व्यक्ति डंडे, कुल्हाड़ी, लोहे की गरारी सहित धारधार हथियार लेकर आए और उसके घर में घुस गए। उसके पूरे परिवार एवं रिश्तेदारों पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट करने लगे। उसके हाथ पर डंडे से, बेटे सुभाष के पैर पर डंडे से, भतीजे सुखदेव के पैरों, हाथ, बक्खी पर डंडों से, बेटे राजू के पेट पर ईंट से, जवाई साजन के मुंह, आंख के पास एवं पैरों पर डंडों से, बेटे राकेश के हाथ की अंगुली एवं मोड़े पर डंडों एवं ईंटों से वार कर चोट मारी। पोते विक्की के हाथ एवं नाक पर डंडे से एवं लोहे की गरारी से वार कर चोटें मारी। धमकी देने लगे कि एक-एक को जान से मारेंगे। इन लोगों ने उसके घर में ईंट-पत्थर फेंके। मोटर साइकिल तोडफ़ोड़ कर दी। मौके पर मोहल्ले वाले आ गए एवं बीच-बचाव किया तो यह लोग मारपीट कर उसके जवाई साजन से 15 हजार रुपए की नकदी एवं बेटे सुभाष से 20 हजार रुपए की नकदी छीनकर आइंदा जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। उसके जवाई साजन एवं बेटे राकेश के गंभीर चोटें लगने से उन्हें टाउन के राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दोनों का इलाज चल रहा है। अंगूरी देवी के अनुसार हमलावर बदमाश प्रवृत्ति के हैं जो आइंदा भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना कर सकते हैं। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश एएसआई खेमराज के सुपुर्द की है।

मंगलवार को करें ये उपाय ...

रामभक्त हनुमान करेंगे हर मनोकामना पूरी

मंगलवार का दिन विशेष रूप से राम भक्त हनुमान को समर्पित है। इस दिन जो भी व्यक्ति श्रद्धा भाव से हनुमान जी की पूजा करता है, उसे पवनपुत्र की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यही कारण है कि भक्तगण मंगलवार के दिन व्रत रखते हैं और हनुमान जी की पूजा के साथ विभिन्न उपाय करते हैं। माना जाता है कि इस दिन किए गए कुछ खास उपायों से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाओं को पूरा करते हैं, साथ ही उन्हें राजयोग का भी आशीर्वाद मिलता है।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के उपाय

राम नाम का जाप– हनुमान जी के परम भक्त होने के नाते, मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर राम नाम का जाप करना अत्यंत प्रभावी माना जाता है। इससे हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और जीवन के सभी संकटों का निवारण होता है।

राम रक्षा स्तोत्र का पाठ– इस दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना अत्यधिक लाभकारी होता है। इसके साथ ही हनुमान जी को गुड़ और चने का भोग अर्पित करें, ताकि उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में समृद्धि आए।

मंगलवार का व्रत– यदि संभव हो तो मंगलवार का व्रत रखें और इस दिन गरीबों को भोजन कराने का कार्य करें। ऐसा करने से न केवल हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि जीवन में धन और अन्न की कभी कमी नहीं होती। इसके अलावा, यह उपाय कुंडली में मंगल ग्रह को भी मजबूत करता है।

हनुमान जी को चोला चढ़ाना और सुंदरकांड का पाठ– मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और साथ ही सुंदरकांड का पाठ करें। यह उपाय हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त करने का एक उत्तम तरीका है।

वट वृक्ष से पत्ते का उपाय– ब्रह्म मुहूर्त में उठकर एक वट वृक्ष का पत्ता लाएं, उसे गंगाजल से धोकर उस पत्ते पर लाल रंग से अपनी इच्छा लिखें और हनुमान जी के चरणों में अर्पित करें। ऐसा करने से आपकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

रोजगार और धन प्राप्ति के उपाय– यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करें। इससे जल्द ही सफलता मिलती है। वहीं, धन प्राप्ति के लिए हनुमान जी को केवड़े का इत्र और गुलाब के फूलों की माला अर्पित करें।

आर्थिक समृद्धि के लिए करें शनि चालीसा का पाठ

दूर होंगी सभी परेशानियां

सप्ताह में शनिवार का दिन शनि महाराज को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आते हैं। ज्योतिषियों के मुताबिक शनिदेव की उपासना से कुंडली में शनि की स्थिति भी मजबूत होती हैं जिसके प्रभाव से जातक को अपने हर काम में तरक्की और रोग, नौकरी-व्यापार में बाधा व ऋण जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इस दौरान शनि चालीसा का पाठ करना और भी लाभकारी माना गया है, क्योंकि इससे व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि प्राप्त होती है।

शनि चालीसा

दोहा

जय गणेश गिरिजा सुवन, मंगल करण कृपाल।

दीनन के दुख दूर करि, कीजै नाथ निहाल॥

जय जय श्री शनिदेव प्रभु, सुनहु विनय महाराज।

करहु कृपा हे रवि तनय, राखहु जन की लाज॥

हाथी पर सवार होकर आएंगी माता रानी

पूजा के लिए जरूर मंगा ले ये चीजें

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है, जिसका समापन नवमी के दिन किया जाता है। यह नौ दिन मुख्य रूप से देवी के 9 रूपों की पूजा को समर्पित है। मान्यता है कि इस अवधि में यदि सच्चे भाव से उपासना की जाए, तो न केवल जीवन में सुख-समृद्धि बल्कि घर परिवार व करियर में भी शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। धार्मिक ग्रंथों में नवरात्रि को मां दुर्गा का विशेष आशीर्वाद पाने का अवसर कहा जाता है, इसलिए हर साल माता के आगमन की खुशी में घर, मंदिर व पड़ालों में पूजा का भव्य आयोजन किया जाता है।

कलश स्थापना मुहूर्त

कलश स्थापना नवरात्रि की पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इस दौरान विशेष मुहूर्त में कलश स्थापना करने से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है। 2025 में कलश स्थापना के लिए निम्नलिखित मुहूर्त है।

पहला मुहूर्त

30 मार्च 2025, सुबह 06:13 बजे से 10:22 बजे तक।

दूसरा मुहूर्त (अभिजीत मुहूर्त)

30 मार्च 2025, दोपहर 12:01 बजे से 12:50 बजे तक।

इन मुहूर्तों में कलश स्थापना करना अत्यधिक फलदायी माना जाता है।

कलश स्थापना के नियम

कलश स्थापना के लिए कुछ महत्वपूर्ण नियम और विधियों का पालन करना आवश्यक है, ताकि पूजा सही तरीके से सम्पन्न हो और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त हो सके। सबसे पहले पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें। पूजा स्थल की शुद्धता से ही सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। कलश स्थापना करने से पहले अष्टदल बनाना चाहिए। यह 8 पंखुड़ियों वाला एक रूप होता है, जो नक्षत्रों और देवी-देवताओं की आशीर्वाद को आकर्षित करता है।कलश हमेशा सोना, चांदी, तांबा, या मिट्टी से बना होना चाहिए। इन सामग्रियों से बने कलश को शुभ माना जाता है, और वे पूजा में अधिक प्रभावी माने जाते हैं। उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में कलश स्थापना करना सबसे शुभ माना जाता है। इस दिशा में कलश रखने से घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। कलश पर स्वास्तिक चिन्ह बनाना चाहिए। यह शुभता का प्रतीक होता है और देवी दुर्गा के आशीर्वाद को आकर्षित करता है। कलश पर मौली लपेटें, फिर आम के पत्ते रखें और उसके ऊपर एक नारियल रखें। यह विधि कलश को शुद्ध और संपूर्ण बनाती है। एक पात्र में मिट्टी डालें और उसमें 7 प्रकार के अनाज बोएं। यह अनाज धरती की उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक होते हैं। अब कलश में लौंग, हल्दी, अक्षत (चिउड़े), सिक्का, इलायची, पान और फूल डालें। ये सभी चीजें समृद्धि और सुख-शांति का प्रतीक मानी जाती हैं।

कलश स्थापना के लाभ

कलश स्थापना का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि यह घर में सुख-समृद्धि और समृद्धि का संकेत भी है। इस प्रक्रिया को विधिपूर्वक करने से निम्नलिखित लाभ होंगे। घर में शांति, सुख और समृद्धि का वास होता है। आरोग्य की प्राप्ति होती है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। देवी दुर्गा की कृपा से जीवन में आध्यात्मिक उन्नति और वित्तीय समृद्धि आती है।

भोलेनाथ की कृपा

पाने के लिए करें ये काम, जीवन में आएगा बदलाव

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महादेव जल्द प्रसन्न होने वाले देवता है। यदि सच्चे भाव से सोमवार के लिए उन्हें भांग, धतूरा, बेलपत्र, चंदन व दूध, दही और फल अर्पित किया जाए तो, जीवन से सभी तरह की परेशानियां समाप्त होती हैं। पूजा के दौरान शिव चालीसा का पाठ करना और भी कल्याणकारी है। इससे नौकरी में तरक्की और व्यापार में धन लाभ के योग बनते हैं।

शिव चालीसा पाठ

।।दोहा।।

श्री गणेश गिरिजा सुवन, मंगल मूल सुजान।
कहत अयोध्यादास तुम, देहु अभय वरदान॥

जय गिरिजा पति दीन दयाला। सदा करत संतन प्रतिपाला॥
भाल चंद्रमा सोहत नीके। कानन कुंडल नागफनी के॥
अंग गौर शिर गंग बहाये। मुंडमाल तन छार लगाये॥
वस्त्र खाल बाघंबर सोहे। छवि को देख नाग मुनि मोहे॥
मैना मातु की ह्वै दुलारी। बाम अंग सोहत छवि न्यारी॥
कर त्रिशूल सोहत छवि भारी। करत सदा शत्रुन क्षयकारी॥
नंदि गणेश सोहै तहं कैसे। सागर मध्य कमल हैं जैसे॥
कार्तिक श्याम और गणराऊ। या छवि को कहि जात न काऊ॥
देवन जबहीं जाय पुकारा। तब ही दुख प्रभु आप निवारा॥
किया उपद्रव तारक भारी। देवन सब मिलि तुमहिं जुहारी॥
तुरत षडानन आप पठायउ। लवनिमेष महं मारि गिरायउ॥
आप जलंधर असुर संहारा। सुयश तुम्हार विदित संसारा॥
त्रिपुरासुर सन युद्ध मचाई। सबहिं कृपा कर लीन बचाई॥
किया तपहिं भागीरथ भारी। पुरब प्रतिज्ञा तसु पुरारी॥
दानिन महं तुम सम कोउ नाहीं। सेवक स्तुति करत सदाहीं॥
वेद नाम महिमा तव गाई। अकथ अनादि भेद नहिं पाई॥
प्रगट उदधि मंथन में ज्वाला। जरे सुरासुर भये विहाला॥
कीन्ह दया तहं करी सहाई। नीलकंठ तब नाम कहाई॥
पूजन रामचंद्र जब कीन्हा। जीत के लंक विभीषण दीन्हा॥
सहस कमल में हो रहे धारी। कीन्ह परीक्षा तबहिं पुरारी॥
एक कमल प्रभु राखेउ जोई। कमल नयन पूजन चहं सोई॥
कठिन भक्ति देखी प्रभु शंकर। भये प्रसन्न दिए इच्छित वर॥
जय जय जय अनंत अविनाशी। करत कृपा सब के घटवासी॥
दुष्ट सकल नित मोहि सतावै। भ्रमत रहे मोहि चैन न आवै॥
त्राहि त्राहि मैं नाथ पुकारो। यहि अवसर मोहि आन उबारो॥
लै त्रिशूल शत्रुन को मारो। संकट से मोहि आन उबारो॥
मातु पिता भ्राता सब कोई। संकट में पूछत नहिं कोई॥
स्वामी एक है आस तुम्हारी। आय हरहु अब संकट भारी॥
धन निर्धन को देत सदाहीं। जो कोई जांचे वो फल पाहीं॥
अस्तुति केहि विधि करौं तुम्हारी। क्षमहु नाथ अब चूक हमारी॥
शंकर हो संकट के नाशन। मंगल कारण विघ्न विनाशन॥
योगी यति मुनि ध्यान लगावैं। नारद शारद शीश नवावैं॥
नमो नमो जय नमो शिवाय। सुर ब्रह्मादिक पार न पाय॥
जो यह पाठ करे मन लाई। ता पार होत है शंभु सहाई॥
ऋनिया जो कोई हो अधिकारी। पाठ करे सो पावन हारी॥
पुत्र हीन कर इच्छा कोई। निश्चय शिव प्रसाद तेहि होई॥
पंडित त्रयोदशी को लावे। ध्यान पूर्वक होम करावे॥
त्रयोदशी ब्रत करे हमेशा। तन नहीं ताके रहे कलेशा॥
धूप दीप नैवेद्य चढ़ावे। शंकर सम्मुख पाठ सुनावे॥
जन्म जन्म के पाप नसावे। अन्तवास शिवपुर में पावे॥
कहे अयोध्या आस तुम्हारी। जानि सकल दुःख हरहु हमारी॥

।।दोहा।।

नित्त नेम कर प्रातः ही, पाठ करौं चालीसा।
तुम मेरी मनोकामना, पूर्ण करो जगदीश॥
मगसर छठि हेमंत ऋतु, संवत चौसठ जान।
अस्तुति चालीसा शिवहि, पूर्ण कीन कल्याण॥

सार समाचार

लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स श्रेष्ठ सेवा कार्यों में पुनः सिरमौर

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। भिवाड़ी के रमाडा होटल में आयोजित हुई रीजन कॉन्फ्रेंस राधे में रीजन के 6 क्लबों ने भाग लिया। समारोह की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन के आर मनोज ने की। मुख्य अतिथी प्रांतपाल सुनील अरोडा रहे। समारोह मे सभी क्लबों के 9 माह के सेवा कार्यो का लेखा जोखा रखा गया। जिस हेतु सभी को सम्मानित किया गया।

लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स ने कई श्रेष्ठ व सर्व श्रेष्ठ अवार्ड प्राप्त कर एक बार पुनः अपने आपको सेवा कार्यो में सिरमौर साबित किया। समारोह मे क्लब की ओर से एम जे एफ प्रमोद अग्रवाल, अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदीप यादव, मनोज अग्रवाल, राहुल यादव, राकेश अग्रवाल, उमेश यादव उपस्थित रहे।

भार्गव सभा के चुनाव में च्यवन भार्गव पैनल विजयी

अलवर, 18 मार्च (निसं)। भार्गव सभा अलवर के भार्गव आश्रम में हुए द्विवार्षिक चुनाव में च्यवन भार्गव पैनल भारी बहुमत से विजयी हुआ ।

चुनाव अधिकारी दिनेश भार्गव ने बताया कि अध्यक्ष पद के प्रत्याशी च्यवन भार्गव को 211 मत मिले तथा दूसरे प्रत्याशी कपिल भार्गव ने 94 मत प्राप्त किए। जबकि उपाध्यक्ष पद पर सतीश भार्गव व देवेन्द्र भार्गव निर्विरोध चुने गए। मंत्री पद पर हरीश भार्गव ने जीत दर्ज की तथा सहायक मंत्री दीपशिखा भार्गव, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार भार्गव, उपमंत्री क्रीड़ा दीपक भार्गव, उपमंत्री सांस्कृतिक निधि भार्गव, उपमंत्री साहित्यिक सीमा भार्गव, भंडारी सुनील भार्गव, उपमंत्री यात्रा व भ्रमण सुरेश भार्गव, उपमंत्री जनसंपर्क विनोद भार्गव शालू, कार्यकारिणी सदस्यों में आलोक भार्गव, पंकज भार्गव, सीमा भार्गव, दिवांक भार्गव एवं नीतू भार्गव को चुना गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय भार्गव सभा के लिए अमिता, बृजेश्वरी, आशीष भार्गव एवं सुभाष भार्गव को मनोनीत किया गया । मतगणना के उपरांत निर्वाचित पदाधिकारियों का समाज के प्रतिष्ठितजनों ने मल्यार्पण कर स्वागत किया।

नीलगाय हत्या कानून का कड़ा विरोध, प्रस्ताव पारित

अलवर, 18 मार्च (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध किसानों ने राजस्थान की भाजपाई सरकार द्वारा लागू वन्यजीव नीलगाय हत्या कानून का कड़ा विरोध किया है और आरोप लगाया है कि किसानों की आड़ लेकर खुद भाजपाई सरकार मीट लॉबी के हित में नीलगायों की हत्या करवा रही है।

जिला किसान सभा के रविवार तिजारा स्थित जैन धर्मशाला में हुए जिला सम्मेलन में इस बाबत उपस्थित सभी किसान प्रतिनिधियों ने अपने दोनों हाथ खड़े करके एक प्रस्ताव भी पारित किया। नीलगाय हत्या कानून के विरोध में यह प्रस्ताव भाकपा के जिला सचिव एडवोकेट जगदीश शर्मा ने रखा।

इस मौके पर किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश अध्यक्ष तारासिंह सिद्धू मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित थे। सम्मेलन में कहा गया कि किसानों ने अपनी फसल रक्षा के नाम पर कभी भी नीलगायों की हत्या की मांग तक नहीं की लेकिन खुद सरकार में बैठे लोगों ने ऐसा क्रूर कानून बना किया जो कि पूरी तरह से गलत व क्रूर है। सम्मेलन में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर भी विचार हुआ और स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करने की मांग करते हुए कई अन्य मसलों पर भी विचार हुआ। सम्मेलन में राजकुमार बक्शी, भोलाराम शर्मा, पालीराम, मूलचंद यादव, सुभाषयादव, कमलेश सैनी, नूरद्दीन, पुरषोत्तम आदि ने विचार रखे।

फार्मेसी कॉलेज में स्पोर्ट्स वीक की शुरुआत

अलवर, 18 मार्च (निसं)। डॉ आरके सिंह फार्मेसी कॉलेज में स्पोर्ट्स वीक की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर के सिंह चेयरमैन पब्लिक रोज शिक्षा समिति, राकेश चौहान डायरेक्टर महारानी कान्वेंट स्कूल व प्राचार्य डॉक्टर सुरेश चौधरी की उपस्थिति में मशाल जलाकर की गई।

कार्यक्रम के दौरान फार्मेसी कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा। प्राचार्य डॉ सुरेश चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल जैसे क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज जैसे अन्य खेल खेले जाएंगे।

डब्ल्यूआरआरसी की टीम केंद्रीय मंत्री से मिली

अलवर, 18 मार्च (निसं)। अलवर में इंसानों ओर कुत्तों के बीच बढ़ते संघर्ष की समस्या के समाधान हेतु टीम WRRC के अध्यक्ष विवेक जसाईवाल, कोषाध्यक्ष सीए मुदित डाटा और कपिल सैनी ने दिल्ली जाकर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री से मुलाकात की।

टीम द्वारा दिए मानव व्यवहार व कुत्तों की बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण पाने के लिए 11 सूत्री कार्यक्रम दिया। सीए मुदित डाटा ने बताया कि मंत्रीजी ने सभी सुझावों को तुरंत अलवर व खैरथल कलेक्टर को भेजने को निर्देशित किया व टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा।

महाराजावास में पानी की समस्या गहराई

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। गर्मी शुरू होते ही क्षेत्र के गांव महाराजावास में

पानी की गंभीर समस्या गहरा गई है। 3,500 की आबादी वाले गांव में मात्र तीन बोरिंग चालू हैं। इनमें से दो बोरिंग में पानी कम आता है। महिलाएं सुबह से देर रात तक पानी भरने के लिए संघर्ष करती हैं। पानी की अनियमित आपूर्ति के कारण लोग सुबह से ही बर्तन लेकर बोरिंग के पास बैठ जाते हैं। कई बार पानी को लेकर झगड़े और मारपीट की स्थिति बन जाती है।

महिलाओं का कहना है कि उनका पूरा दिन पानी भरने में निकल जाता है। कम पानी आने के कारण कई घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता। पानी की टंकियों पर महिलाएं प्लास्टिक के पीपे, टोकनी, मटके और बाल्टी रखकर इंतजार करती हैं। पानी आते ही भगदड़ मच जाती है, जिससे झगड़े और गाली-गलौज की स्थिति बन जाती है।

इधर, सरपंच उदय सिंह के अनुसार गांव में 12 पानी की टंकियां हैं। जल जीवन मिशन के तहत एक नई बोरिंग का काम पूरा हो चुका है। इसे अगले 4-5 दिनों में शुरू किया जाएगा। एक और बोरिंग जल्द ही लगाई जाएगी। प्रधान सरोज बस्तीराम यादव ने अपने कोटे से एक अतिरिक्त बोरिंग की घोषणा की है।

हसन खां मेवाती का शहादत दिवस मनाया

नौगांवा, 18 मार्च (निसं)। हसन खान मेवाती का 499वा शहादत दिवस सोमवार को नौगांवा तहसील की ग्राम पंचायत रघुनाथगढ़ के तेलियाबास गांव में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा रहे।

कृषि मंत्री मीणा ने कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं बहादुरों के गांव में हूं, जहां बाबर और अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी गई थी। मेरे दिल में गांव के प्रति समर्पण पैदा हो गया है। यह ऐतिहासिक गांव है। मैंने तोप वाला स्थान भी देखा है। गांव के विकास के लिए सरकार से बात कर मेवात बोर्ड विकास से एक करोड रुपए दिलवाऊंगा।

कृषि मंत्री ने बताया कि हसन खान मेवाती सेनापति थे। उन्होंने राणा सांगा के साथ मिलकर बाबर से लड़ाई लड़ी थी। बाबर ने उन्हें अपनी तरफ से लड़ने का न्योता दिया था लेकिन हसन खान मेवाती ने उसे ठुकराकर राणा सांगा के साथ लड़ाई लड़ी क्योंकि उन्हें अपने देश से, धर्म से और भूमि से प्रेम था। उन्होंने बड़ी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी और खानवा के मैदान मे बाबर के दांत खट्टे कर दिए। लेकिन इस इतिहासपुरुष के लिए सरकार ने और समाज के लोगो ने कुछ ज्यादा काम नहीं किया।

कृषि मंत्री मीणा ने मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की वह समाज में यह तय करें कि कोई अपराधी उनके बीच नहीं हो। साथ ही इस बात की जिम्मेवारी ली कि उनके गांव में कोई पुलिस नहीं आएगी बशर्ते गांव वाले अपराधी नहीं पालेंगे। उन्होंने कहा की समाज के सभी वरिष्ठ प्रमुख नागरिक तय करें कि वह एक होकर बुराई के खिलाफ खड़े हो। ऐसा करने पर कोई भी ताकत बुराई को खत्म होने से नहीं रोक सकती।

मंत्री मीणा ने समुदाय को एकता में सूत्र में बांधने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इसी मैदान से अगली बार हसन खान मेवाती का लक्खी मेला आयोजित करने का संकल्प लें।

मेवात क्षेत्र टटलु बाजी, गोकशी, सायबर क्राइम जैसे अपराधों के लिए बदनाम है। इसको रोकने की जिम्मेदारी आप सभी की है।अपराधी की कोई जाति नहीं होती। अपराधी अपराधी होता है। समाज से बुराई को निकालना चाहिए।समाज सुधार के लिए एक बैठक आयोजित करनी चाहिए। जिस हसन खान मेवाती का इतिहास में नाम हो, अगर उनकी संतान ऐसी हो कि उनका नाम डूबने लग जाए तो समाज के लोगो को चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।

कृषि मंत्री मीणा ने पुलिस कहा कि पुलिस रबड़ का सांप बनाती है। रबड़ का सांप बनाकर लोगो को लूटती है। लूट खसोट, अत्याचार को जडमूल से मैं खत्म करूंगा।

तेलियबास मे में पुलिस दबीश के दौरान हुई 20 दिन कि मासूम अलीसबा की मौत पर बोले कि पुलिस ने तो मना कर दिया कि हम उस घर में घुसे ही नहीं। लेकिन पूर्व मंत्री नसरू खान ने मुझे प्रमाण दिए हैं।

भरोसा रखें कि पुलिस के बड़े अधिकारियों से मिलकर एक जांच टीम से जांच करवाऊंगा। जिससे दिल्ली से जयपुर तक सच्चाई का पता लगे। कानून से बड़ा कोई नहीं है। कानून की दृष्टि में सब समान है। जो अपराध करेगा उसे सजा मिलेगी।

श्री महावीर जयंती महोत्सव समिति के महेंद्र सचेती निर्विरोध अध्यक्ष

अलवर, 18 मार्च (नसं)। श्री महावीर जयंती महोत्सव 2025 मनाए जाने हेतु सकल जैन समाज की साधारण सभा 16 मार्च 2025 को रात्रि 8.00 बजे श्री दिगंबर जैन खण्डेलवाल पंचायती मंदिर हलवाई पाड़ा में संपन्न हुई।

समाज के मंत्री नरेन्द्र कुमार जैन बड़जात्या ने बताया कि श्री महावीर जयन्ती महोत्सव समिति 2025 के लिए श्री महेंद्र सचेती को सर्व सम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया एवं महोत्सव समिति का गठन किया गया जिसमें महामंत्री नरेन्द्र कुमार जैन बड़जात्या, कोषाध्यक्ष राजकुमार जैन भौंच, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश कुमार जैन, राजेन्द्र प्रसाद जैन, योगेश जैन पालावत उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र कुमार जैन एडवोकेट, अनिल जैन पालावत, मंत्री पद पर कैलाश चंद जैन, रविन्द्र कुमार जैन, योगेश जैन सचेती, विजय कुमार जैन, निर्मल कुमार जैन पालावत को बनाया गया। प्रवीण जैन गोधा, अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल पंचायती मंदिर हलवाई पाड़ा होंगे।

इस अवसर पर सभी समाजों के पदाधिकारी व गणमान्य सदस्य उपस्थित हुए । इस वर्ष महावीर जयन्ती महोत्सव 10 अप्रैल 2025 से 12 अप्रैल 2025 तक श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी में मनाया जाएगा।

श्री महावीर जयंती महोत्सव पर शोभा यात्रा श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल पंचायती मंदिर हलवाई पाड़ा से निकलेगी ।

निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरणों में पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। निर्वाचन प्रक्रिया के सभी चरणों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए राज्य स्तर, जिला स्तर एवं उपखण्ड स्तर पर राजनैतिक दलों की सहभागिता यथा प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति, मतदाता सूची में जैंडर रेटियो, इलेक्ट्रोल पॉपुलेशन रेशियो में सुधार इत्यादि सुनिश्चित की जानी आवश्यक है। इसी क्रम में निर्वाचन विभाग राजस्थान सरकार प्राप्त निर्देशानुसार ईआरओ स्तर पर समस्त राष्ट्रीय एवं राजस्थान राज्य के समस्त मान्यता प्राप्त राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनसे जुड़े हुए मुद्दों पर उपखण्ड कार्यालय बहरोड़ के मीटिंग हाल में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में एसडीएम रामकिशोर मीणा, तहसीलदार अभिषेक यादव, प्रशान्त यादव भाजपा मण्डल अध्यक्ष बहरोड़, अश्वनी टाईगर भाजपा मण्डल अध्यक्ष माजरीकला, राधेश्याम बोहरा भाजपा मण्डल अध्यक्ष बर्डोद, राजू सिंह चौहान भाजपा मंडल अध्यक्ष मांढ़ण, विकास यादव कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बहरोड़ आदि मौजूद रहे।

बच्चों को बांटे ज्ञानवर्धक खिलौने और हैल्थ किट

अलवर, 18 मार्च (निसं)। नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से दीवाकरी में संचालित शिक्षा संस्कार वृक्ष कक्षा में बच्चों को ज्ञानवर्धक खिलौने, ड्राइंग और दांत साफ करने के लिए पेस्ट व ब्रश का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर संजय बजाज थे जबकि अध्यक्षता संरक्षक दौलत राम हजरती ने की। इस अवसर पर बच्चों को प्रतिदिन दांत साफ करने और नहाने की शिक्षा दी गई। नेक कमाई की ओर से अलवर शहर में कचरा बीनने वाले और भीख मांगने वाले बच्चों के लिए प्रतिदिन शाम को अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जा रही हैं जिसमें 125 बच्चे अध्ययनरत हैं।

नेक कमाई फाउंडेशन के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि यह कक्षाएं शहर में अन्य और जगह भी संचालित होंगी। इन कक्षाओं को जयपुर की संस्था फिडिंग हैंडस और सुमेधा के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इन बच्चों को ड्राइंग व शिक्षण सामग्री समाजसेवी पंकज जैन और हैल्थ किट का वितरण डा. बी. बी. गौतम की तरफ से किया गया।

इस अवसर पर संचालिका प्रतिभा सिंह ने आभार जताया। कार्यक्रम में एडवोकेट संजीव मीणा और आयुर्वेद चिकित्सक बी. बी. गौतम भी उपस्थित थे। संचालन गुरप्रीत सिंह पवित्र ने किया। इन सभी कक्षाओं में डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट और खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट का भी सहयोग हैं जो पिछले तीन माह से चल रही हैं। संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि नेक कमाई की ओर से अलवर शहर में करीब दस जगहों पर ऐसी कक्षाएं संचालित होंगी।

लायंस क्लब इंटरनेशनल रीजन एक की रीजनल कॉन्फ्रेंस संपन्न

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के रीजन एक की ओर से भिवाड़ी के एक होटल में एक गरिमामयी रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में रीजन के विभिन्न क्लबों द्वारा की गई सेवा गतिविधियों का आंकलन किया गया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्लबों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतपाल सुनील अरोड़ा, सह प्रांतपाल सुधीर बाजपेई, आशुतोष वशिष्ठ, पूर्व प्रांतपाल अशोक ठाकुर और ओ पी गग्गड उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरपर्सन के आर मनोज ने की। जोन चेयरपर्सन कमल शर्मा ने जोन 2 के द्वारा की गई विभिन्न सेवा गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे लायंस क्लबों ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य किए हैं। इन गतिविधियों में स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण और रक्त दान, नेत्र जांच शिविर जैसे कार्य शामिल हैं।

रीजन के सभी क्लबों द्वारा की गई सेवा गतिविधियों का आंकलन करने के बाद लायंस क्लब बहरोड़ को उनकी उत्कृष्ट सेवा गतिविधियों के लिए 8 श्रेष्ठ एवं सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों और सदस्यों ने क्लब की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह पीड़ित मानवता की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब बहरोड़ से जोन चेयरपर्सन कमल शर्मा, अध्यक्ष बृजराज सिंह चौहान, सचिव अनिल जांगिड़, कोषाध्यक्ष उमेश लवानिया, पूर्व अध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता, मनोज शर्मा और दीवान सिंह उपस्थित रहे।

निःशुल्क कार्डियोलॉजी, रेस्पिरेट्री जांच शिविर कल

अलवर, 18 मार्च (निसं)। महावीर इन्टरनेशनल अलवर केंद्र द्वारा संचालित आचार्य हस्ति चिकित्सालय, शांतिकुंज में 19 मार्च बुधवार को नि:शुल्क कार्डियोलॉजी एवं रेस्पिरेट्री जांच शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

इस शिविर में मेदांता हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा हृदय, फेफड़े व श्वास रोग से संबन्धित रोग के मरीजों को नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा। इस शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी., बीएमडी (कैल्सियम) व फेफड़ों की जांच नि:शुल्क की जाएगी। यह जानकारी केन्द्र सचिव वीर सूर्यकान्त भारद्वाज द्वारा दी गई।

सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया

अलवर, 18 मार्च (नसं)। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के दौरान कई स्थानों पर एक साथ 'सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया है। इस गतिविधि में देश भर के 6 आयोजन स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंपनी द्वारा आयोजित पशु विकास दिवस के सातवें संस्करण के तहत यह उपलब्धि हासिल की गई, जो देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था। इन शिविरों का आयोजन एक साथ 16 राज्यों के 500 स्थलों पर किया गया जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1,90,000 रही (150,000 पशु एवं 40,000 पशु मालिक)।

भारत में तकरीबन 65-70 फीसदी ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों पर निर्भर करती है। ऐसे में पशु और मवेशी ग्रामीणों के लिए आजीविका और उनके आर्थिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने पशु विकास दिवस के 7वें संस्करण का आयोजन किया, जिसका विषय था 'मेरा पशु मेरा परिवार'। इस आयोजन के माध्यम से कंपनी ने ग्रामीण परिवारों के जीवन में पशुओं के महत्व पर रोशनी डाली। सालाना पशु विकास दिस के आयोजन में 6000 से अधिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जो ग्रामीण कल्याण के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शांतनु मित्रा, चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर एवं प्रबंध निदेशक, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, ''एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट में हम समाज कल्याण के प्रयासों द्वारा समाज पर सकारात्मक प्रभाव की उत्पत्ति के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश भर में 1000 से अधिक शाखाओं के साथ हमारा ध्यान मुख्यत: टियर 2 नगरों पर केन्द्रित है जहाँ हमारी 90 फीसदी शाखाएं स्थित हैं।

वास्तव में पिछले दो सालों में हमने तकरीबन 300 नई शाखाएं खोली हैं और ये सभी शाखाएं टियर-2 नगरों में ही खोली गई हैं। हमारा उद्देश्य सही उत्पादों एवं वित्तीय समाधानों के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और समुदायों को सशक्त बनाना है।'

मैं हमारे हर कर्मचारी को बधाई देना चाहूंगा, जिन्होंने विभिन्न स्थानों पर एक साथ आयोजित सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह देखकर हार्दिक प्रसन्नता होती है कि इस साल का पशु विकास दिवस न सिर्फ पशुओं की देखभाल की दृष्टि से सबकी उम्मीदों पर खरा उतरा है, बल्कि इसके तहत देश भर के विभिन्न आयोजन स्थलों पर विशेष जागरुकता सत्र भी आयोजित किए गए, इन्हीं सब प्रयासों के फलस्वरूप हमें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त हुआ है।'

श्री स्वामिनाथन सुब्रमण्यम, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, ''कई स्थानों पर एक साथ सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करना, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट में हर किसी के लिए गर्व की बात है।

एक कंपनी के रूप में हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रच दिया है और हमें विश्वास है कि आने वाले समय में भी हम आधुनिक एवं स्थायी सामाजिक-आर्थिक प्रयासों के माध्यम से समाज कल्याण की दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करना ग्रामीण कल्याण के लिए हमारे समर्पण की पुष्टि करता है और हमारे आर्थिक समाधानों के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाते रहने के लिए प्रेरित करता है।'

पहले भी एक ही दिन में सबसे बड़े पशु देखभाल शिविर आयोजित करने के लिए पशु विकास दिवस- वर्ल्ड रिकॉर्ड्स युनियन, लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुका है।

सार समाचार

रक्तदान एंव निशुल्क परामर्श शिविर 23 को

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाइजेशन की ओर से शहीद दिवस 23 मार्च रविवार को सुबह 8 बजे से 4 बजे तक कस्बे के पुराना बस स्टैण्ड पर सपना अस्पताल में पांचवा रक्तदान शिविर और नि:शुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी बीपीएचओ के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र प्रजापति ने दी।

महर्षि दयानंद योगधाम पर दो दिवसीय कार्यक्रम 22 से

बहरोड़, 18 मार्च (निसं)। कस्बे के नारनोल रोडढ़ राधा-कृष्ण कॉलोनी महर्षि दयानन्द योगधाम पर महर्षि दयानन्द की 200वीं जयन्ती, आर्य समाज के 150 वर्ष पूरे होने, सनातन नर्ववर्ष प्रारम्भ अवसर पर पर्यावरण शुद्धि एवं सामवेद पारायण महायज्ञ तथा अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 94वें बलिदान दिवस पर 22 व 23 मार्च को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

23 मार्च को मुख्य अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव होंगे व विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता मोहित यादव, पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि एडवोकेट बस्तीराम यादव होंगे। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य मोहन आर्य आर्य गुरूकुल महाविद्यालय नर्मदापुरम मध्यप्रदेश होंगे। कार्यक्रमानुसार 22 मार्च को सुबह 8 से 12 बजे और सायं 4 से 6 बजे तक यज्ञ भजन प्रवचन और 23 मार्च को सुबह 8 से 10 बजे तक यज्ञ भजन प्रवचन, 12 से 5 बजे तक एक दिन शहीदों के नाम, सायं 6 बजे ऋषि लंगर लगेगा। यह जानकारी धाम के अध्यक्ष रामकृष्ण शास्त्री ने दी।

केंद्रीय मंत्री के पिता के निधन पर श्रद्धांजलि

मुंडावर, 18 मार्च (निसं)। मुंडावर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भानोत सरपंच संदीप चौधरी, पीपली ग्राम पंचायत सरपंच उमेश यादव, गादूवास ग्राम पंचायत सरपंच मेहरचंद शर्मा, ठेकेदार करणसिंह यादव, सरपंच शीशराम आदी ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के गांव जमालपुर (गुड़गांव) पहुंचकर सांसद के पिता कदम सिंह के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

इससे पहले रविवार को विधायक ललित यादव, मूंदनवाड़ा ग्राम पंचायत सरपंच दलीप यादव ग्राम पंचायत बल्लूवास सरपंच रामपाल यादव आदि भी जमालपुर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। भाजपा के जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी ने भी शोक संतृप्त परिवार को ढाढ़ंस बंधाया।

विधायक ने झझारपुर में किया विकास कार्यों का उद्घाटन

मुंडावर, 18 मार्च (निसं)। मुंडावर विधायक ललित यादव ने सोमवार को ग्राम पंचायत झझारपुर में अपने विधायक कोष 14 लाख रुपए के कराए विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम दौरान उन्होंने कहा कि विकास के लिए विधायक मद का पैसा मैं स्वयं सरपंच को बुलाकर दे रहा हूं। ये पैसा आप सबके टैक्स का दिया हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास में पक्ष विपक्ष नहीं होता हैं। यह तो केवल बहाना बनाने बातें होती है। मैं विपक्ष का विधायक होने के बाद भी दावा करता हूं कि मुंडावर के सर्वांगीण विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

सरपंच संघ के द्वारा दूसरी ग्राम पंचायत को सरकारी एजेंसी नहीं बनाने की मांग का समर्थन करते हुए विधायक ने इसे सराहनीय बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने बिना किसी भेदभाव से प्रथम बजट के 5 करोड़ रुपए के कार्यों की अनुशंसा की है। जिसमें सरपंचों को गुणवत्ता और सर्व समाज हितैषी काम करने को कहा।

इस दौरान जिला पार्षद भीमराज यादव, स्थानीय सरपंच सुभाष मेघवाल, गोपीचंद शर्मा, राजू मेघवाल, कृष्ण यादव समाजसेवी,नरसिंह चौहान, भीमसिंह चौहान, किशनसिंह राजावत, रघुवीरसिंह, रामनिवास यादव, जयराम गुर्जर, गंगाराम मेघवाल, प्रहलाद सिंह जतन सिंह सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

सीए ब्रांच ने मनाया होली मिलन समारोह

अलवर, 18 मार्च (निसं)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया की अलवर सीए ब्रांच द्वारा 16 मार्च रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन आर. जी. बिलखा रिसॉर्ट्स, कटी घाटी, अलवर में किया गया ।

अलवर ब्रांच चेयरमैन सीए नितिन गुप्ता ने बताया कि प्रबंध कार्यकारणी द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का चन्दन व तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा सीए फैमिली सहित इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दी व सभी ने गीतों पर नृत्य किया साथ ही विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति भी दी जिससे सभी ने इस कार्यक्रम का आनंद उठाया तथा विभिन्न प्रकार के सभी वर्गों के लिए गेम्स रखे गए व सभी विजेताओं को पुरस्कार दिये गए ।

सचिव सीए हितेश सेतिया द्वारा पधारे सभी आगन्तुओं का धन्यवाद दिया गया। इस कार्यक्रम में ब्रांच वाइस-चेयरमैन सीए विशाल वाधवा, सचिव सीए हितेश सेतिया, कोषाध्यक्ष सीए सचिन गुप्ता, सिकासा चेयरमैन सीए आकाश खंडेलवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य सीए अंशुल मोदी सहित सीए फैमिली सदस्य उपस्थित हुए।

चौथ माता का पूजन कर अखंड सौभाग्य व सुख समृद्धि की कामना

सकट, 18 मार्च (निसं)। कस्बे के प्राचीन चौथ माता मंदिर में सोमवार को चैत्र कृष्ण पक्ष की तृतीया को सुहागिन महिलाओं ने संकट चतुर्थी व्रत श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया। इस मौके पर सुहागिन महिलाओं ने चौथ माता के मंदिर पहुंचकर चौथ माता की प्रतिमा के समक्ष पूजा अर्चना की।

संकट चतुर्थी व्रत पर चौथ माता मंदिर में महिलाएं समूह बनाकर नए-नए परिधान पहनकर भजन गाती हुई मंदिर पहुंची। चौथ माता के मंदिर में संकट चतुर्थी व्रत पर सुहागिन महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ रही है। मंदिर के पुजारी शरद पाराशर ने बताया कि संकट चतुर्थी व्रत के मौके पर सकट कस्बे का समूचा वातावरण चौथ माता के जयकारों से धर्ममयी हो गया।

सुहागिन महिलाओं ने संकट चतुर्थी व्रत रखकर चौथ माता की पूजा अर्चना की वही मंदिर परिसर सहित आसपास इस क्षेत्र में महिलाओं ने समूह में बैठकर माता की कहानी सुनी व सूर्य देव को जल चढ़ाकर बुजुर्ग महिलाओं के पैर छूकर आशीर्वाद लेकर चौथ माता से अखंड सौभाग्य व सुख समृद्धि की कामना की मनौती मांगी और अपने से बड़ी महिलाओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। वहीं देर रात चांद दिखने पर चौथ माता को जल चढ़ाकर अपना व्रत पूरा किया। संकट चतुर्थी व्रत पर घरो में तरह-तरह के पकवान बनाए गए तथा चौथ माता को भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया गया।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर (पूल) अलवर

क्रमांक :- पूल/वाहन/अनु. पार्टस/नीलामी/2025/154 दिनांक : 05.03.2025

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पूल अलवर के 15 वर्ष एवं उससे अधिक पुराने राजकीय वाहनों के स्क्रेप की नीलामी एवं नाकारा वाहनों/अनुपयोगी मोटर पार्टस के निस्तारण जहां है एवं जिस स्थिति में है, उक्त नीलामी प्रक्रिया द्वारा किया जाना है। नीलामी की प्रक्रिया इस कार्यालय में दिनांक 19.03.2025 को प्रात: 11 बजे की जावेगी। इच्छुक फर्म/बोलीदाता उक्त दिनांक एवं समय पर उपस्थित होकर रुपए 4000/- धरोहर राशि जमा कराकर बोली लगा सकते हैं। नीलामी की शर्ते कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

अति. जिला कलक्टर शहर
(पूल) अलवर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल.टॉवर3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित करा कर सांध्य ज्योति दर्पण कार्यालय केडलगंज , अलवर से प्रकाशित है। संपादक सी.पी. सैनी, फोन नं. 0144-2335105, 2701531 जयपुर कार्यालय : संसार चन्द्र रोड, जयपुर, निदेशक : बी.एम.शर्मा,
सम्पादक : महेन्द्र यादव - फोन : 2364412, 2361816, फैक्स : 0141-2361816। नागौर कार्यालय - 1/44 व्यास कॉलोनी, नागौर - सम्पादक : रमेश जैन, फोन : 240071 फैक्स- 01582-240071, भरतपुर कार्यालय - कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780, पोस्टल रजि.नं. आरजे-779, आरएनआई नं. 48648/90